आई.एस.ओ. 9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ

● वर्ष- 16 अंक 251 ● कटनी ● शनिवार, 15 अक्टूबर, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक मास कृष्ण पक्ष-6 ● विक्रम संवत् 2079 शके 1935

ट्रैक्टर ट्राली से टकराया वाहन, दो युवकों की मौत

सागर यशभारत। पुलिस प्रशासन के तमाम प्रयास के बाद भी कई दोपहिया वाहन चालक हेलमेट नहीं लगा रहे हैं। ऐसी ही अनदेखी शुक्रवार की रात दस बजे दो युवकों पर भारी पड़ गई। यह युवा बरौदा गांव से बाइक पर सागर आ रहे थे, लेकिन हेलमेट नहीं पहना था। बीच रास्ते में तालचिरी गांव के पास उनकी बाइक की ट्रैक्टर ट्राली से भिड़ंत हो गई। इस भिड़ंत में सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से दोनों युवाओं की मौत हो गई।

ऑटो ड्राइवर ने छात्रा से की छेड़छाड़, 500 मीटर घसीटा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे में शुक्रवार को ऑटो ड्राइवर ने एक कॉलेज स्टूडेंट के साथ छेड़छाड़ की। जबरन ऑटो में बैठाने की कोशिश की। लड़की ने विरोध किया तो चलते ऑटो में 500 मीटर तक घसीटता ले गया। पुलिस के मुताबिक, 22 साल की लड़की कॉलेज की स्टूडेंट है। वह कॉलेज जा रही थी। इस दौरान रास्ते में खड़े ऑटो ड्राइवर ने उस पर गंदे कमेंट्स किए, जब लड़की ऑटो वाले को विरोध किया तो उसने लड़की का हाथ पकड़ लिया और उससे छेड़छाड़ करने लगा।

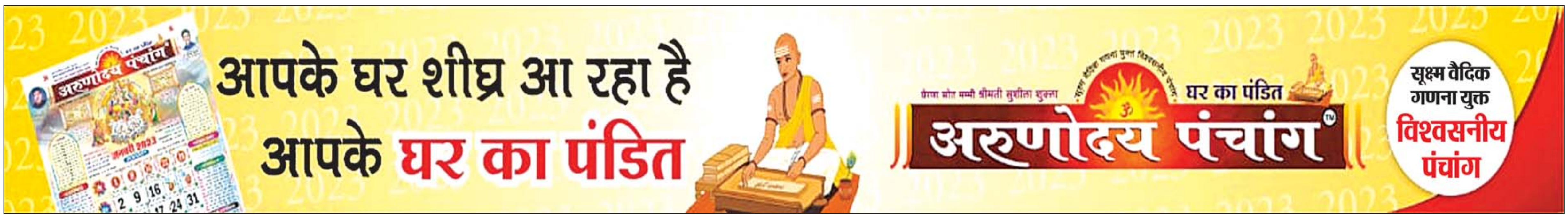

आयुष्मान योजना

5 लाख के उपचार में कैपिंग का खेल

उपचार के खर्चे को लेकर मरीज और अस्पताल में विवाद, सरकार की अपनी दरें, अस्पताल के अलग रेट

जबलपुर,यशभारत। आयुष्मान भारत योजना को लेकर जबलपुर चर्चाओं में है । यह चर्चा आयुष्मान योजना के तहत सेंट्रल किडनी अस्पताल में हुए भ्रष्टाचार को लेकर हर जुबान पर है। हर व्यक्ति यह जानना चाहता है कि आखिर आयुष्मान योजना में इतना बड़ा गोलमाल हो कैसे सकता है ।इस बड़ घालमेल पर अस्पताल मरीज और सरकार की भूमिका पर बातें हो रही हैं। चाहे 5 लाख के इलाज की बात हो या फिर इलाज के दौरान मरीजों और अस्पतालों के गठजोड़ से हो रहे गोलमाल की शिकायतों की ।योजना में जो 5,00000 रुपए की बात कही गई है वह कितनी सच है ? और 5,00000 का फायदा क्या वास्तव में पीड़ित को मिलता है ? या फिर यह शब्दों की बाजीगिरी है जिसके चलते आए दिन मरीज और अस्पतालों के बीच विवाद की स्थित बनती है।

इनको मिलता है योजना का फायदा

आयुष्मान भारत योजना के तहत, देश के हर गरीब और वंचित कैटेगरी के परिवार को साल में 5 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त दिया जाता है। इस रिपोर्ट में हम जानेंगे कि आयुष्मान भारत योजना के तहत, इलाज के लिए, पात्रता क्या है ? इसके लिए एक सरल और आसान तरीका है। सरकार द्वारा ऑनलाइन व्यवस्था की गई है जिससे कोई भी व्यक्ति अपनी पात्रता है या नही देख सकता है। जिसके लिए आप स्क्रीन पर दिख रही लिंक पर जाकर अपनी पात्रता देख सकते हैं। https://pmjay.gov.in/ अपनी हेल्थ आईडी बनाने के लिए आपके पास तीन रास्ते होते हैं- पहला वेबसाइट की मदद से दूसरा मोबाइल एप की मदद से और तीसरा अस्पताल या हेल्थ सेंटर की मदद से आप अपनी सामान्य जानकारी देकर कार्ड बनवा सकते हैं , जिसके लिए आपको आधार कार्ड वोटर आईडी कार्ड और समग्र कार्ड की आवश्यकता होती है। या आप ऑनलाइन भी जा सकते हैं।

क्या है 5 लाख की सच्चाई

इस पूरी योजना में लाभार्थी को एक बार उपचार के लिए भर्ती होने पर 5 लाख तक का उपचार मिल सकता है? या फिर यह वही तकनीक है जो एक कंपनी अपने उत्पाद को बेचने के लिए ऑफर तो बड़े-बड़े लाती है लेकिन उसके साथ नियम व शर्तें अप्लाई कर एक स्टार लगा देती है।अब हम आपको बता दें सरकार द्वारा जो 5 लाख के मुफ्त इलाज की बात कही जाती है वह एक समग्र आईडी में शामिल हुए सभी सदस्यों के लिए। अब हम बात करते हैं दूसरे सबसे महत्वपूर्ण बिंदु की जिसको लेकर सबसे ज्यादा मरीजों में भ्रम की स्थिति है वह यह है कि एक बार अस्पताल में भर्ती हो जाने के बाद उसे 5,00000 का उपचार एक बार में ही दे दिया जाएगा या फिर उसके उपचार में जितना भी खर्चा आएगा वह खर्चा सरकार के द्वारा उठाया जाएगा । यह प्रश्न अस्पताल और मरीज के बीच विवाद का भी कारण बन रहा है जिस पर हम बाद में चर्चा करेंगे।

ऐसे समझें पूरा गणित

पहले हम जान लेते हैं की मरीज के भर्ती होने के बाद पूरा का पूरा खर्चा सरकार उठाएगी या फिर उसको लेकर भी कोई नियम व शर्तें सरकार द्वारा रख दी गई है जिसको लेकर खुलकर कभी बात नहीं होती। इसे समझने के लिए हम एक सामान्य बीमारी का उदाहरण लेते हैं। पित्त की पथरी एक सामान्य बीमारी है बहुत सारे लोगों को होती है और इसका उपचार भी लगभग सभी अस्पतालों में होता है यदि कोई मरीज पित्त की पथरी का ऑपरेशन करवाने किसी निजी अस्पताल में जाता है तो उसे लगभग 40 से 50000 का खर्चा आता है । हम बात करते हैं आयुष्मान योजना की जिसमें सरकार द्वारा पित्त की पथरी उपचार के लिए 22400 एक राशि निर्धारित की गई है जिसमें ऑपरेशन हॉस्पिटलाइजेशन दवाइयां और दो टाइम का खाना निर्धारित किया गया है जैसा कि हमने पहले बताया कि एक सामान्य अस्पताल में ऑपरेशन करवाने पर खर्चा 40 से 50000 के बीच में बैठता है ऐसे में 22400 के ऊपर आने वाला खर्चा विवाद का कारण बनता है।

बीमारियों को लेकर यह है कैपिंग

वैसे तो सरकार द्वारा इस योजना के अंतर्गत लगभग 1400 बीमारियों को शामिल किया गया है लेकिन निजी अस्पतालों में इनकी संख्या 1100 के आसपास है। निजी अस्पतालों में भी लगभग सभी प्रमुख बीमारियों का उपचार होता है। लेकिन वास्तव में आने वाला खर्च और सरकार द्वारा भुगतान किए जाने वाले पैसे में जमीन आसमान का अंतर है। जिसे हम कुछ बीमारियों की कैपिंग और वास्तविक खर्च से समझ सकते हैं। जैसे आंतों उलझ जाने पर जो ऑपरेशन होता है उसमें लगभग 60 से 70 हजार का खर्च आता है लेकिन आयुष्मान योजना के अंतर्गत उसकी राशि को 11400 रखा गया है इसी तरह हर्निया के ऑपरेशन के लिए सरकार अस्पताल को 17400 रुपए देती है। लेकिन इस के ऑपरेशन में लगभग 35,000 का खर्चा एक निजी अस्पताल वसूल करती है। इसी तरह एक्सीडेंटल केस में हेड इंजरी होने पर ब्रेन के ऑपरेशन के लिए 55000 सरकार द्वारा निर्धारित किए गए हैं जबकि वास्तविकता में उपचार के दौरान यह खर्चा लाखों में होता है कभी-कभी तो मरीज को कई दिनों तक आईसीयू में भर्ती करना पड़ता है क्योंकि एक्सीडेंटल केस में इंजरी का कोई भी पूर्वानुमान काम नहीं करता। ऐसे में 55000 में इलाज संभव नहीं होता है ऐसी दर्जनों बीमारियां हैं जिनमें सरकार की कैपिंग और वास्तविक खर्च में जमीन आसमान का अंतर है। जिसके चलते मरीज अस्पताल में 5,00000रुपए तक का उपचार देने की बात करता है जो विवाद का कारण बनता है। जो कि इन उदाहरणों से स्पष्ट समझा जा सकता है कि सरकार द्वारा जो बीमारियों के उपचार के लिए जो राशि निर्धारित की गई है और वास्तविक खर्चा अलग-अलग बीमारियों में कितना होता है। जिस से 5 लाख रुपए तक के उपचार की सीमा को आप बखूबी समझ सकते हैं।

अस्पताल और मरीज के बीच विवाद का कारण

जैसा की हमने आपसे कहा था कि अस्पताल और मरीज के बीच होने वाले विवाद की बात हम आपसे आगे करेंगे तो हम बता दें की सरकार द्वारा जितनी भी बीमारियां आयुष्मान योजना के तहत शामिल की गई हैं उनको लेकर एक कैपिंग है। कैपिंग याने निर्धारित राशि- जिसके अंतर्गत ही निजी अस्पताल को मरीज का उपचार करना होता है ऐसे में जब कैपिंग के बाद की राशि अस्पताल द्वारा मरीज से मांगी जाती है जो की पूरी तरह से नियम विरुद्ध है तो उसको लेकर मरीज और अस्पताल प्रबंधन आमने सामने आ जाते हैं और मरीज सीधे 5,00000 रुपए तक के इलाज की बात करता है, जबकि किसी भी बीमारी में सरकार द्वारा 5,00000 की राशि नहीं दी जाती।

यश भारत INSIDE STORY

विस्तार से पूरा वीडियो देखें ,इनसाइड स्टोरी में यश भारत न्यूज़ चैनल व यश भारत के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर।

कानून ऐसे बनाएं, जो गरीबों को भी समझ आ जाएं-पीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कानून मंत्रियों और कानून सचिवों के अखिल भारतीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। पीएम मोदी ने इस मौके पर कहा, कानून बनाते हुए हमारा फोकस होना चाहिए कि गरीब से गरीब भी नए बनने वाले कानून को अच्छी तरह समझ पाएं। किसी भी नागरिक के लिए कानून की भाषा बाधा न बने, हर राज्य इसके लिए भी काम करे, इसके लिए हमें लॉजिस्टिक और इंफ्रास्ट्रक्चर का सपोर्ट भी चाहिए होगा। पीएम मोदी ने कहा, आज जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, तब लोकहित को लेकर सरदार पटेल की प्रेरणा, हमें सही दिशा में भी ले जाएगी, और हमें लक्ष्य तक पहुंचाएगी भी। भारत के समाज की विकास यात्रा हजारों वर्षों की है। तमाम चुनौतियों के बावजूद भारतीय समाज ने निरंतर प्रगति की है। हमारे समाज की सबसे बड़ी विशेषता ये है कि वो प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए, खुद में आंतरिक सुधार भी करता चलता है। हमारा समाज अप्रासंगिक हो चुके कायदे-कानूनों, कुरीतियों को, गलत रिवाजों को हटाता भी चलता है। लोक अदालतों के माध्यम से देश में बीते वर्षों में लाखों केसों को सुलझाया गया है। इनसे अदालतों का बोझ भी कम हुआ है और खासतौर पर, गांव में रहने वाले लोगों को, गरीबों को न्याय मिलना भी बहुत आसान हुआ है। देश के लोगों को सरकार का भाव भी नहीं लगना चाहिए और देश के लोगों को सरकार का दबाव भी महसूस नहीं होना चाहिए।

इंदौर में रियल इस्टेट और ज्वैलर्स के ठिकानों पर आयकर के छापे

इंदौर, यशभारत। इंदौर में आयकर विभाग और ईडी द्वारा बड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत बिल्डर टीनू संघवी, शुभम लाभम मंत्री ग्रुप, एस डी वायर ग्रुप दिलीप जैन, रजत ज्वैलर्स, दो चार्टड एकाउंटेंट समेत अन्य 3 अन्य लोगों के ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापेमारी की है। सुबह 6 बजे से शहर के तमाम ठिकानों पर यह कार्रवाई भारी पुलिस बल की मौजूदगी में की जा रही है।टीनू संघवी कॉंग्रेस नेता पंकज संघवी एवं ज़मीन धोखाधड़ी मामले में कोर्ट से हाल ही में अग्रिम ज़मानत लेने वाले विवादित बिल्डर सुरेंद्र संघवी के छोटे भाई है। इंदौर के रियल एस्टेट और ज्वेलर्स आयकर के निशाने पर है। आय छुपाने और कर चोरी की आशंका में विभाग की टीमों में रियल एस्टेट से जुड़े टीनू संघवी और शुभम लाभम ग्रुप के प्रमुख सुमित मंत्री के ठिकानों पर दबिश दी। साथ ही इनके कारोबारी सहयोगियों के यहां भी जांच करने की आयकर की टीम पहुंची है। इसके साथ ही वास्तु ग्रुप के भूपेश संघवी, शुभम लाभम ग्रुप के ही मंगल मंत्री और पप्पू सत्यनारायण मंत्री, एचडी वायर्स ग्रुप के दिलीप जैन, देव्स बेकरी के अलावा रजत ज्वेलर्स के यहां भी जांच के लिए आयकर विभाग के अधिकारी पहुंचे हैं। इंदौर में आयकर विभाग व ईडी की बड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत में टीनू संघवी समेत अन्य बिल्डरों के ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापे मारे। रियल एस्टेट से जुड़े टीनू संघवी कांग्रेस नेता पंकज संघवी एवं जमीन धोखाधड़ी मामले में कोर्ट से हाल ही में अग्रिम जमानत लेने वाले विवादित बिल्डर सुरेंद्र संघवी के भाई हैं। इसी के साथ लाभम ग्रुप के सुमित मंत्री भी कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री जीतू पटवारी के करीबी माने जाते हैं। इंदौर में नौ से ज्यादा ठिकानों पर सुबह 8 बजते-बजते जांच शुरू हो चुकी है।उल्लेखनीय है कि विभाग द्वारा पिछले दिनों भी रियल स्टेट फर्म के विभिन्न ठिकानों पर छापे मारे थे। दिल्ली, लखनऊ, गुड़गांव, चंडीगढ़ सहित देशभर में कंपनी के आफिस व अधिकारियों के घर सहित 45 ठिकानों पर एक साथ डाली गई इस रेड में आयकर विभाग ने करोडों रुपये की राशि जप्त की थी। इनमें से एक शीर्ष अधिकारी के घर से 1.5 करोड की राशि जप्त की गई थी।

100 साल का लंबा इंतजार खत्म, RIMC कैडेट के रूप में लड़कियों की एंट्री

देहरादून,ईएमएस। सैन्य क्षेत्र में महिलाओं के लिए कॅरियर के अवसर बढ़ रहे हैं। पहले जहां महिलाओं को शॉर्ट सर्विस कमीशन के रूप में नियुक्ति मिलती थी तो अब पूर्ण कॅरियर की राह खुली है। सेना के लिए बेहतर युवा तराशने वाले संस्थान आरआईएमसी में लड़कियों के प्रवेश की राह भी इस साल खुली। राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज (आरआईएमसी) के दरवाजे 100 के सफर के बाद आखिरकार लड़कियों के लिए खुल गए। इस कॉलेज के इतिहास में इसके साथ बड़ा बदलाव हो गया। पहली बार आरआईएमसी कैडेट के रूप में लड़कियों को प्रवेश मिला। बालिकाओं के लिए पांच सीटें रिजर्व थीं, लेकिन पहले बैच में फिलहाल सिर्फ दो ही लड़कियां इस बदलाव का प्रतीक बन पाईं। आरआईएमसी में हाल में शुरू हुए सत्र में पांच सीटें रिजर्व करते हुए आवेदन मांगे गए थे। इसके लिए पूरे देशभर से 568 आवेदन प्राप्त हुए थे। इन आवेदनों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चार लड़कियों का चयन हुआ। पुष्ट सूत्रों ने बताया कि दो लड़कियां किसी कारणवश ज्वाइन नहीं कर पाईं। बाकी दो चयनित लड़कियों ने ज्वाइनिंग कर ली है। कैडेट के रूप में लड़कियों के पहुंचते ही इस संस्थान को भी सह-शिक्षा संस्थान के रूप में तैयार करने के लिए कई बदलाव किए गए हैं। कुछ पर काम जारी है।

एसबीआई ने ग्राहकों को दी बड़ी शखबरी

आज से हीबढ़ाई FD की ब्याज दरें अब ज्यादा होगा मुनाफा

नई दिल्ली ईएमएस। फेस्टिवल सीजन में भारतीय स्टेट बैंक ने उन ग्राहकों को बड़ी राहत दी है जो फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी कराने की सोच रहे हैं। जी हां..एसबीआई अब एफडी पर पहले से भी ज्यादा ब्याज देगा। दरअसल, स्ब्ड्ढ ने सभी अवधि के लिए अपने एफडी की ब्याज दरों में 20 आधार अंकों तक की वृद्धि की है। नई ब्याज दरें 2 करोड़ रुपये से कम की फिक्स्ड डिपॉजिट पर लागू होंगी।

नई दरें आज से ही लागू

बैंक की वेबसाइट के अनुसार, एफडी पर बढ़ी हुई ब्याज दरें 15 अक्टूबर, 2022 से प्रभावी हैं। बैंक ने दो महीने के अंतराल के बाद रिटेल एफडी पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। एसबीआई की वेबसाइट के अनुसार एफडी की ब्याज दरों में बढ़ोतरी 10 आधार अंक (बीपीएस) से लेकर 20 बीपीएस तक है।

2 करोड़ रुपये से कम की स्ब्ड्ढ स्नष्ठ पर आपको कितना रिटर्न मिलेगा?

SBI ने 7 दिनों से 45 दिनों के बीच मैच्योर होने वाली एफडी पर ब्याज दरों को 2.90 फीसदी से बढ़ाकर 3 फीसदी कर दिया है। इसी तरह, 46 दिनों से 179 दिनों के बीच मैच्योर होने वाली स्नष्ठ पर 4 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी। पहले इस अवधि के लिए ब्याज दर 3.90 फीसदी थी। वहीं, 180 दिनों से 210 दिनों के बीच रिटेल एफडी पर ब्याज दर बढ़कर 4.65 प्रतिशत हो गई है। बैंक ने 211 दिनों से एक साल से कम अवधि के जमा पर ब्याज दर 4.60 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.70 प्रतिशत कर दी है। एक साल से लेकर दो साल से कम की मैच्योरिटी अवधि वाली एसबीआई एफडी पर ब्याज दर 5.45 प्रतिशत से बढ़कर 5.60 प्रतिशत हो गई है। दो साल से तीन साल से कम की एफडी पर ब्याज दर 5.50 फीसदी से बढ़ाकर 5.65 फीसदी कर दी गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाक को बताया सबसे खतरनाक देशों में से एक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पाकिस्तान पर बड़ा बयान दिया है। डेमोक्रेटिक कांग्रेस के एक कार्यक्रम में बाइडेन ने कहा, 'मुझे लगता है कि शायद दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक पाकिस्तान है। ऐसा देश जो परमाणु हथियार सम्पन्न और अस्थिर है।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन और पाकिस्तान पर चर्चा के दौरान यह बात कही। दुनिया के मौजूदा हालात में बाइडेन के इस बयान को बहुत अहम माना जा रहा है। भारत शुरू से पाकिस्तान में फल-फूल रहे आतंकवाद के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करता रहा है। हाल के दिनों में भारत ने पाकिस्तान के प्रति अमेरिका के दोगले रुख का पुरजोर विरोध भी किया था। अमेरिका ने जब पाकिस्तान को एफ-16 देने का ऐलान किया तो भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी जमीं पर विरोध किया था। जयशंकर ने साफ कहा था कि सबको पता इन लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किसके खिलाफ होना है।

1719 तक सस्ता हुआ सोना चांदी में 3000 तक की गिरावट

नई दिल्ली एजेंसी। डॉलर के बढ़ते सूचकांक और आगामी एफओएमसी बैठक में यूएस फेड दर में बढ़ोतरी की अटकलों के कारण, पूरे सप्ताह सोने की कीमत दबाव में रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर सोने की दरें शुक्रवार को 50,280 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुई। इंट्रा डे ट्रेड में कल सोने का भाव करीबन 600 प्रति 10 ग्राम टूट गया था। जबकि वीकली आधार पर, एमसीएक्स सोने की कीमत में 1,719 प्रति 10 ग्राम या 3.30 रुपये का नुकसान दर्ज किया गया। हाजिर बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 1.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,643 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर बंद हुई। IBJA के मुताबिक, सर्राफा मार्केट में पिछले एक सप्ताह में सोना 51120 रुपये से गिरकर 50438 रुपये पर आ गया। यानी सोने के दाम में पांच दिन में 682 रुपये की गिरावट आई है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत (silver price today) सप्ताहभर में लगभग 3000 रुपये टूट गई है। इस दौरान चांदी 58949 रुपये से टूटकर 56042 रुपये प्रति किलो तक आ गई। यानी इस सप्ताह चांदी 2907 रुपये तक सस्ती हुई है।

मप्र में हिन्दी में मेडिकल एजुकेशन

97 डॉक्टरों की टीम ने 4 माह में तैयार की MBBS की बुक्स, कल अमित शाह करेंगे लॉन्च

भोपाल,यशभारत। यूक्रेन, रूस, जापान, चीन किर्गिजस्तान और फिलीपींस जैसे देशों की तरह अब भारत में भी मेडिकल की पढ़ाई मातृभाषा में होगी। देश में सबसे पहले इसकी शुरुआत मध्यप्रदेश से हो रही है। प्रदेश के 97 डॉक्टरों की टीम ने चार महीने में सातों दिन 24 घंटे काम कर अंग्रेजी की किताबों का हिन्दी में अनुवाद किया। रविवार यानी 16 अक्टूबर को लाल परेड ग्राउंड में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इन किताबों को लॉन्च करेंगे। मप्र के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि मप्र के मेडिकल कॉलेजों के प्रोफेसर और हिन्दी के जानकारों ने MBBS फर्स्ट ईयर की किताबों का ट्रांसलेटेड वर्जन तैयार किया है। इस पूरे प्रोजेक्ट को मंदार नाम दिया गया है। मंदार नाम रखने के पीछे ये विचार था कि जिस प्रकार समुद्र मंथन में मंदार पर्वत के सहारे अमृत निकाला गया था। उसी प्रकार से अंग्रेजी की किताबों का हिन्दी में अनुवाद किया गया है। मंत्री सारंग ने बताया, मंदार में शामिल डॉक्टरों और विशेषज्ञों ने विचार मंथन करके किताबें तैयार की हैं। मंत्री सारंग ने कहा मुझे खुशी है कि

दुनिया के उन देशों में अब भारत भी शामिल हो गया है जो अपनी मातृभाषा में मेडिकल की पढ़ाई कराते हैं। इसकी शुरुआत मप्र से हो रही है।

चार महीने में ऐसे पूरा हुआ टास्क

चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने बताया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह काम चिकित्सा शिक्षा विभाग को दिया था। हमने 97 डॉक्टरों के साथ कम्प्यूटर ऑपरेटर्स की टीम बनाई। इस टीम ने 24 घंटे सातों दिन लगकर MBBS फर्स्ट ईयर की तीन किताबों का हिन्दी में अनुवाद तैयार किया। इस पूरी प्रक्रिया में तकनीकी पहलुओं और छात्रों के भविष्य की चुनौतियों का भी ख्याल रखा गया है। इन किताबों को इस प्रकार अनुवादित कर तैयार किया गया है, जिसमें शब्द के मायने हिन्दी में ऐसे न बदल जाएं कि उसे समझना मुश्किल लगे। जैसे- स्पाइन को सभी समझते हैं, उसे हिन्दी अनुवाद में मेरूदंड नहीं लिखा गया, बल्कि किताबों को ऐसे अनुवाद में तैयार किया गया है, जिसे ग्रामीण क्षेत्र से हिन्दी में पढ़ाई कर MBBS में दाखिला लेने वाले छात्र आसानी से पढ और समझ सकें। MBBS फर्स्ट ईयर की तीन किताबें बायोकेमिस्ट्री, फिजियोलॉजी और एनाटॉमी की किताबों को देवनागरी लिपि में तैयार किया। जिनके हिन्दी में शब्द उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें देवनागरी में लिखा है।

सराफा में दीवाली पर उम्मीद के दीये

कोरोना के बाद बाजार होंगे गुलजार, तैयारी में जुटे लोग, व्यापारी भी खुश

कटनी,यशभारत। दो साल बाद इस बार कोविड से दूर दिवाली ने सभी के उम्मीद के दिये रौशन किये हैं। माना जा रहा है कि इस बार की दिवाली काफी अच्छी होगी। व्यापारियों को इस दिवाली से खास आशा जगी है। व्यापारियों का कहना है कि बीते दो सालों में कोरोना की मार ने हर किसी को तोड़ कर रख दिया था। चाह कर भी न तो लोग पैसे की तंगी के कारण पर्व में उत्साहित नहीं थे। लेकिन इस बार कर्मचारियों को मंहगाई भत्ते के ऐलान रेल कर्मचारियों को बोनस के साथ साथ दैनिक मजदूरी भी बढ़ने से मध्यमवर्गीय परिवार के सामने ज्यादा संकट नहीं है अब केवल मंहगाई ही है तो लोगों को त्योहार में पैसे खर्च करने में प्रमुख चिंता है। फिर भी उम्मीद है कि ग्राहकी अच्छी होगी।

लाइटवेट का है जमाना

ज्वेलरी दुकानों में लाइट वेट ज्वेलरी का कलेक्शन तैयार रखा गया है। सोने की बढ़ती कीमतों को देखते हुए हर जगह लाइटवेट कलेक्शन की पूरी रेंज मौजूद है। एंटीक ज्वेलरी देखने में भले ही हेवी लगती है, लेकिन यह भी लाइटवेट में उपलब्ध है।

6 हजार से 6 लाख तक के सिक्का

तनिष्क का गोल्ड सिक्का
एक ग्राम- 6200 रुपए
दो ग्राम-12,400 रुपए
100 ग्राम-6.20 लाख रुपए
नॉर्मल ज्वेलरी हाउस में गोल्ड सिक्के
एक ग्राम-4900 रुपए
दो ग्राम-9,800 रुपए
100 ग्राम-4.90 लाख रुपए

सराफा में सबसे ज्यादा डिमांड चांदी के सिक्कों की ही इस साल भी है।

हॉलमार्क ज्वेलरी बाजार में

शहर की कई दुकानों में हॉलमार्क वाली ज्वेलरी उपलब्ध है। हॉलमार्क होने पर सोने की शुद्धता सुनिश्चित होती है। ज्वेलरी 14, 18 और 22 कैरेट में उपलब्ध है। खरीदारी पर हर दुकान से जीएसटी बिल भी दिया जा रहा है। बिल लेने का फायदा यह होता है कि कोई भी परेशानी होने या ठगे जाने पर उपभोक्ता फोरम में शिकायत कर सकते हैं। सोना की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है।

हर जगह आकर्षक ऑफर

धनतेरस को लेकर छोटी से लेकर बड़ी दुकानों में ऑफर मिलने लगे हैं। खास बात यह है कि इसे लेकर कई लोग दुर्गापूजा से ही एडवांस बुकिंग करा रहे हैं, ताकि धनतेरस के दिन अधिक भीड़ का सामना न करना पड़े। साथ ही लोगों को ऑफर का भी लाभ मिल रहा है। कोई गोल्ड ज्वेलरी में प्रति 10 ग्राम पर 2,000 से अधिक की छूट दे रहा है तो कोई हीरे के गहनों के मेकिंग चार्ज पर फ्लैट 100 परसेंट की छूट दे रहा है। कई हीरे के गहनों के कुल मूल्य पर 30 परसेंट की भी छूट ऑफर कर रहे हैं। यहीं स्थिति आटोमोबाइल सेक्टर तथा होम एपलांइसेस में भी देखने को मिल रहा है सबसे ज्यादा छूट मोबाइलों पर दिख रही है।

खनकने को तैयार ज्वेलरी बाजार, सोने चांदी की नई वेरायटी, भगवान लक्ष्मी गणेश भी चांदी में दमक रहे

दीपावली को लेकर भी लोगों में खास उत्साह बना हुआ है। इस साल धनतेरस व दीपावली को लेकर शहर के लोग खरीदारी करने को तैयार हैं। शहर में सोना, चांदी और हीरे का कारोबार करोड़ों का होता है। इस धनतेरस को लेकर सर्राफा बाजार भी पूरी तरह से सज-धजकर तैयार है। नई डिजाइन से लेकर नए कलेक्शन तक की भरमार है। धनतेरस और दिवाली के मौके पर ज्यादा से ज्यादा कस्टमर्स को आकर्षित करने के लिए ज्वेलर्स ने पूरी तैयारी कर रखी है। क्योंकि दिवाली के ठीक बाद लग्न भी शुरू होगा। ऐसे में कस्टमर्स की डिमांड को देखते हुए कम से कम कीमत पर भी सोने की ज्वेलरी मिले, इसका ध्यान रखा गया है। गोल्ड ज्वेलरी की बात करें तो मिनिमम पांच हजार रुपए में कान की बाली से लेकर अंगूठी तक उपलब्ध है। वहीं, पांच-पांच लाख के सेट भी आकर्षक डिजाइन में उपलब्ध हैं। एक ग्राम सोने व चांदी के सिक्के व नोट भी बाजार में उपलब्ध हैं। नई रेंज में लार्ज कलेक्शन धनतेरस और दिवाली के मौके पर रांची के सर्राफ ा बाजार में लक्ष्मी-गणेश की आकृति वाली चांदी के सिक्के, यंत्र व मंत्र भी आए हैं। यह सिक्के 5 से 100 ग्राम तक वजन के हैं। इस बार 50-50 ग्राम के लक्ष्मी और गणेश के सिक्के भी आए हैं। ज्वेलरी की ब्रांडेड कंपनियों से लेकर स्थानीय दुकानदारों ने भी न्यू कलेक्शंस पेश किए हैं।

फ्लोरल आउटफिट के साथ एक्सेसरीज

कटनी, यशभारत। दिवाली का त्योहार नजदीक है। घर की साफ-सफाई और पूजा के सामान के साथ ही लोग जश्न मनाने के लिए पार्टी भी करते हैं। धीरे धीरे इसका चलन बढ़ रहा है। त्योहार पर शहर में डिफरेंट लुक्स के लिए युवाओं का ज्यादा फोकस रहता है। अगर आप भी पार्टी में शामिल होने के लिए किसी लुक्स की तलाश में हैं तो फ्लोरल प्रिंट के कपड़े बाजार में आ चुके है।

मोतियों की ज्वैलरी

मोतियों की ज्वैलरी कटनी में हाथ से बना कर बेच रहीं महिलाएं पर्ल ज्वैलरी सबसे ज्यादा क्लासी सस्ते दामों में मिल रही है। ये आपको खूबसूरत लुक देंगी। आप इस तरह की ज्वैलरी को आराम से लोकल मार्केट सेखरीद सकती हैं।

हेयर बन

बालों को अलग स्टाइल में बनाकर भी आप स्टाइलिश दिख सकती हैं। फ्लोरल प्रिंट के कपड़ों के साथ बालों में गुलाब के फूल लगाकर लुक को परफेक्ट बना सकती हैं। सिंपल स्ट्रेट बाल या फिर कर्ली बालों के साथ ये फूल काफी खूबसूरत लगते हैं। साथ ही ये काफी ट्रेंड में भी हैं।

फ्लोरल प्रिंट ब्लाउज

फ्लोरल प्रिंट के ब्लाउज को किसी सिंपल साड़ी के साथ मैच कर पहन सकती हैं। ये काफी खूबसूरत लगेगा और आपको हटके लुक देगा। इसे झंडा बाजार से आसानी से खरीदा जा सकता है

एथिनिक श्रग

इन दिनों इंडो-वेस्टर्न लुक में क्रॉप टॉप और पलाजो काफी ज्यादा ट्रेंड में है। आप इस लुक के साथ श्रग को मैच कर सकती हैं। फ्लोरल प्रिंट का श्रग स्टाइलिश दिखेगा।

इस सीजन महंगी बिकेगी धान

कटनी के किसान हैं उत्साहित , मिलेगा बंपर फायदा

कटनी,यशभारत। खरीब फसलों पर 2022-23 फसल वर्ष के लिए ज्यादा एमएसपी मिलेगी। खरीब फसलों पर 2022-23 फसल वर्ष के लिए ज्यादा एमएसपी मिलेगी। कटनी में पंजीयन की कवायद शुरू हो चुकी है। आपको बता दें कि 14 खरीफ फसलों के एमएसपी को मंजूरी दी गई। धान की सामान्य ग्रेड किस्म के एमएसपी को 2022-23 फसल वर्ष के लिए पिछले वर्ष के 1,940 रुपये से बढ़ाकर 2,040 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है।

फसल अच्छी और कमाई भी, किसान ऐसे कमा रहा फायदा

सरकार ने ब साल 2022-23 के लिए खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है 2022-23 फसल वर्ष के लिए सभी अनिवार्य खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में वृद्धि को मंजूरी दे दी है। आपको बता दें कि कल की कैबिनेट बैठक में 14 खरीफ फसलों के एमएसपी को मंजूरी दी गई है।

धान पर 100 रुपये बढ़े

धान की सामान्य ग्रेड किस्म के एमएसपी को 2022-23 फसल वर्ष के लिए पिछले वर्ष के 1,940 रुपये से बढ़ाकर 2,040 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है. धान की 'ए' ग्रेड किस्म का समर्थन मूल्य ?1,960 से बढ़ाकर ?2,060 प्रति क्विंटल कर दिया गया है। खरीफ की प्रमुख फसल धान है, जिसकी बुवाई शुरू हो चुकी है. मौसम विभाग ने पूर्वानुमान लगाया है कि 2022 का दक्षिण-पश्चिम मानसून इस बार सामान्य रहेगा।

पिछले तीन सालों में बढ़ा उत्पादन

कटनी की बाते करें तो पिछले तीन वर्षों में सामान्य से अच्छे मानसून ने खरीफ के उत्पादन में औसतन 2.8% की वृद्धि हुई है और इसके खरीफ उत्पादन में 2.5% की वृद्धि हो सकती है, जो रबी उत्पादन में 1.5% की वृद्धि है। केन्द्र द्वारा एमएसपी बढ़ाने के बाद अब उम्मीद है कि एमपी की भाजपा सरकार भी इसके दर बढ़ाएगी।

सीसीटीव्ही में दिख कर गायब हुए चोर अब तक नहीं मिले

कटनी। जिले के बरही क्षेत्र में दिनदहाड़े दस लाख रुपए के आभूषणों से भरे बैग को चोरी करने के मामले में 18 दिन बीतने के बाद पुलिस के पास चोरों का सुराग नहीं लगा है। दो सप्ताह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली है। पुलिस टीम लगातार आरोपियों के संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद

साइबर सेल का सहयोग लिया जा रहा है। 26 सितंबर को बरही थाना क्षेत्र निवासी श्रीकांत उर्फ राजा सोनी पिता जागेश्वर सोनी (35) घर से सोने-चांदी के आभूषणों से भरा बैग लेकर अपनी दुकान गया था, बैग को रखकर दुकान को खोल रहा था, इसी दौरान बाइक में सवार दो युवक उसका बैग लेकर भाग गए। श्रीकांत ने युवकों का पीछा भी किया, लेकिन बदमाश काफी तेजी बाइक चलाकर फरार हो गए थे। श्रीकांत के अनुसार बैग में लगभग दस लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण और खाता बही रखे थे। पुलिस ने इस मामले में 6 लाख रुपए के आभूषण चोरी का मामला दर्ज किया है, लेकिन अब तक चोरों को पुलिस नहीं पकड़ पाई है।

नगर विकास स्कीम की सूचना से मचा हड़कंप, प्रभावित लोगों ने शुरू किया विरोध

संभावित प्रभावितों ने बैठक कर चर्चा की एकमत होकर आपत्ति दर्ज कराने निर्णय लिया

कटनी,यशभारत। शहर विकास के लिए कटनी विकास प्राधिकरण योजना बना रहा है। योजना को लेकर प्राधिकरण से सूचना जारी होने के बाद हड़कंप मच गया है। करीब 600 एकड़ जमीन पर तैयार की जा रही इस योजना का विरोध शुरू हो गया है। गुरुवार को संभावित प्रभावित लोगों ने झिंझरी में बैठक का आयोजन कर चर्चा की और एकमत होकर आपत्ति दर्ज कराने निर्णय लिया। जानकारी के अनुसार कटनी विकास प्राधिकरण द्वारा नगर विकास स्कीम बनाने के आशय की घोषणा को लेकर सूचना जारी की गई है। इसमें झिंझरी व कछगवां में करीब 600 एकड़ की भूमि शामिल की गई है। यह भी कहा गया है कि योजना में सम्मिलित किए

गए क्षेत्र के अंदर किसी भी प्रकार का भूमि का उपयोग या भवन में परिवर्तन बिना अनुमति नहीं किया जा सकेगा। बैठक में बताया गया कि केडीए की यह योजना सैकड़ों परिवारों को सड़क पर लेकर आ जाएगी। घर, दुकान, खेत-खलिहान, इंडस्ट्रीज सहित सभी प्रभावित होंगे। झिंझरी में होटल और फैक्ट्री तो चल रही है वहीं कछगवां में दो सौ से अधिक किसान का परिवार और मजदूरों का जीवन आश्रित है। बताया गया कि यह सारी जमीन शासन अधिग्रहित करने के लिए राजपत्र में सूचना एक माह के भीतर प्रकाशित कर देगा, जिससे कई लोगों के सामने गंभीर समस्या निर्मित हो जाएगी। प्रभावित लोगों के द्वारा बैठक में 15 सदस्यीय टास्क फोर्स समिति का गठन किया गया है। जो भू-स्वामियों की आपत्ति से शासन को अवगत कराएगी। इस संबंध में समिति मुख्यमंत्री से भी मुलाकात करेगी। समिति में पवन मित्तल, सुधीर मिश्रा, सुरेश सोनी, आलोक गोयनका, अजीत आसरानी, डॉ. प्रेम जसूजा, रवि बजाज, हीरालाल टहलरामानी, केदार बिचपुरिया, राजू माखीजा, आनंद पांडे, अनिल केवलानी आदि शामिल किए गए हैं। कटनी विकास प्राधिकरण की कोई भी योजना अबतक धरातल पर नहीं उतरी है। 3 जुलाई 2009 से अस्तित्व में आए केडीए एक ऐसा प्राधिकरण बना गया है, जिसमें एक भी योजना कागज से बाहर नहीं निकल सकी। इन 13 वर्षों में 14 बार अध्यक्ष बदल चुके हैं, इसमें 12 प्रशासनिक अधिकारी रहे हैं।

सिटी मॉल बरही रोड में
ऑल इंडिया रिलीज
रोजाना 4 शो ता. 14 से
दोपहर 12.45, 3.15,7 एवं रात्रि 9.45 बजे से

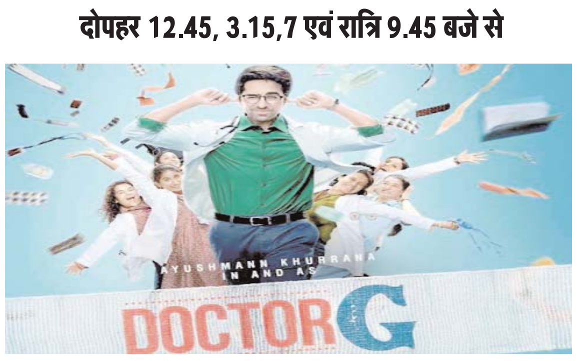

डॉक्टर जी
कलाकार- आयुष्मान खुराना, रकुल प्रीत सिंह, सेफाली शाह, शिवा चड्डा आदि।
Tickets Available on Book My Show
बुकिंग के लिए संपर्क करें- 07622-422402

नीरज सिनेप्लेक्स में

ऑल इंडिया रिलीज
रोजाना 3 शो ता. 14 से
12,3 एवं सायं 6 बजे से
मिड-डे मील
कलाकार- रणवीर शौरी, भगवान तिवारी, शहनाज प्रधान आदि।
टिकट दर
बालकनी क्लास- 80/- लोवर क्लास-50/-

सिटी मॉल बरही रोड में
शानदार तीसरा सप्ताह
रोजाना 2 शो ता. 07 से
दोपहर 12.15 एवं सायं 6.30 बजे से

PS-1
कलाकार- एश्वर्या राय बच्चन, विक्रम जयम रवि, प्रभु आदि।
Tickets Available on Book My Show
बुकिंग के लिए संपर्क करें- 07622-422402

सिटी मॉल बरही रोड में
शानदार दूसरा सप्ताह
रोजाना 2 शो ता. 07 से
दोपहर 3.45 एवं रात्रि 10 बजे से

गॉडफादर
कलाकार- चिरंजीवी, नयनतारा, सलमान खान, सत्यदेव आदि।
Tickets Available on Book My Show
बुकिंग के लिए संपर्क करें- 07622-422402

कार्यालय कलेक्टर (खनिज-शाखा) कटनी, मध्यप्रदेश

E-mail ID :- modgmkat@mp.gov.in

कमांक /खनिज/उ0प0/ 2022,/2214 //सूचना// कटनी, दिनांक 07/10/2022

(म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 -क)

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक मेंसर्स श्री गणेशा मिनरल्स, पार्टनर सत्यम अग्रवाल एवं श्रीमती सिम्मी अग्रवाल, गोकुलधाम विनोवा भावे वार्ड, राहुल बाग के सामने, कटनी, तहसील व जिला-कटनी (म0प्र0) के द्वारा म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-क के तहत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 30.09.2022 को प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है-

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा (हे0 में)	भूमि का प्रकार निजी/अन्य भूमिस्वामी की सहमति प्राप्त	खनिज का नाम	रिमार्क
1	2	3	4	5	6	7	8
कटनी	मुड़वारा	देवरीहटाई	1071/1	2.550	अन्य भूमिस्वामी की भूमि	डोलोमाईट	
			1072/2	2.000			
योग-				4.550			

उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो अथवा इस संबंध में कोई अन्य दावा प्रस्तुत करना चाहता है तो इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला कटनी में आपत्ति का लेख/कारण दर्शाते हुये लिखित रूप से प्रमाण सहित प्रस्तुत करे।

नियत अवधि के उपरांत प्रस्तुत किसी भी आपत्ति/दावे पर विचार नही किया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला-कटनी (म.प्र.)

G-18105/22

यश भारत

सिटी न्यूज

कटनी, शनिवार, 15 अक्टूबर 2022

आज की खबर अभी , आप रहें घर पर
सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर यशभारत
www.yashbharat.com
https://www.facebook.com/yashbharatnews/
YASHBHARAT -Epaper

बाल अधिकार संरक्षण के लिये मिलकर उठाएं आवाज

मानव दुर्व्यापार से निबटना आज की सबसे बड़ी चुनौती- एसडीओपी

कटनी, यशभारत। मानव तस्करी आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा व्यवसाय है और इससे निबटने के लिए हमें हर स्तर पर तैयार रहना होगाद्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी मानव दुर्व्यापार को समझें, कानूनों को समझें और हर प्रकरण दर्ज कर पीड़ित की हरसंभव मदद करेंद्य उक्त बात आज पुलिस कंट्रोल रूम स्थित कांफ्रेंस हॉल में आवाज जनकल्याण समिति, महिला बाल विकास व पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित बाल संरक्षण एवं बाल तस्करी विषय पर पुलिस अधिकारियों के एक दिवसीय प्रशिक्षण के शुभारम्भ अवसर पर एसडीओपी मोनिका तिवारी ने कही। इस कार्यशाला हेतु कटनी पुलिस अधीक्षक सुनील जैन, एडिशनल एस पी मनोज केडिया का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ तथा रक्षित निरीक्षक लवली सोनी का व्यवस्थापन रहा।

बाल अपराध की रोकथाम एवं जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई इस कार्यशाला की शुरूआत में पुष्पगुच्छ द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। जिला महिला सशक्तिकरण अधिकारी सुश्री वनश्री कुर्वेती ने कहा कि हम सभी को बाल अधिकार सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए। बच्चों के मौलिक अधिकारों पर ध्यान देना चाहिए। अभी भी बड़ी संख्या में गुमशुदगी के मामले पेंडिंग में चल रहे हैंए इनके लिए हमें विशेष प्रयास करना होगा। महिला थाना प्रभारी सुश्री मंजू शर्मा ने कहा कि बेहतर पुलिसिंग व पुलिसकर्मियों को चाइल्ड फ्रेंडली बनाने की दिशा में हम लगातार प्रयास कर रहे हैं। यह प्रशिक्षण बहुत महत्वपूर्ण हैं, समय-समय पर इस तरह की कार्यशाला आयोजित होती रहना चाहिए। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति सदस्य सुश्री सुषमा शिवहरेए सुश्री प्रतिमा गौतम तथा योगेश बघेल भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण की दिशा में और बेहतर क्या प्रयास किये जा सकते हैं, पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि आवाज संस्था संस्था बाल अपराध की रोकथाम की दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है। दरअसल बाल तस्करी बहुत गंभीर समस्या है। जो सीधे पर नजर तो नहीं आती पर धीरे-धीरे विकराल रूप धारण कर रही है। आवाज संस्था के निदेशक व प्रशिक्षण के रिसोर्स पर्सन प्रशांत दुबे ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से सभी प्रतिभागियों से सीधा संवाद करते हुए बाल तस्करी, बंधुआ मजदूरी, पॉक्सो एक्ट, सीएनसीपी एवं विधि का उल्लंघन करने वाले बालकों से संबंध में पुलिस की भूमिका को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कार्यशाला के दूसरे सत्र में सभी प्रतिभागियों ने अपने कार्यक्षेत्र व कार्य के दौरान उत्पन्न होने वाली विभिन्न परिस्थितियों का उदाहरण देते हुए अपने सवाल रखे। जिसका श्री दुबे ने सभी बिंदुओं को ध्यानपूर्वक सुनकर सरल शब्दों में जवाब देकर सभी की जिज्ञासा शांत की।

सजग परियोजना के जिला समन्वयक देवेन्द्र गुप्ता ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कटनी पुलिस के सहयोग से ही हम सभी अधिकारियों की व्यस्तता के चलते इस कार्यक्रम को आयोजित कर पाए। इस आयोजन को सफल तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सजग परियोजना के ब्लॉक समन्वयक विक्टर जोसफ, आउटरीच कोआर्डिनेटर सुश्री कल्पना द्विवेदी तथा नितिन सिंह के साथ-साथ जिले के सभी थानों के बाल कल्याण पुलिस अधिकारी सहित बड़ी संख्या पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

संभाग स्तरीय टूर्नामेंट में कटनी का परचम लहराया

कटनी के अभय ने दो ओर शबान ने जड़े गोल

कटनी,यशभारत। शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित संभाग स्तरीय हॉकी टूर्नामेंट में कटनी जिले की टीम भी शामिल हुई। जिसमें कटनी की टीम ने पहले मैच में नरसिंहपुर को 1.0 से हराया व दूसरे मैच में बालाघाट को 2.0 से हराकर टूर्नामेंट की विजेता बनी। मैच में टीम के खिलाड़ी अभय निगम व मोहम्मद शबान का शानदार प्रदर्शन रहा। जिनके प्रदर्शन से कटनी को जीत हासिल हुई। टूर्नामेंट में कटनी, सिवनी, बालाघाट, नरसिंहपुर, जबलपुर और छिंदवाड़ा की टीम शामिल हुई। जिसमें कटनी को टूर्नामेंट का खिताब हासिल हुआ। कटनी टीम की कोच साध्वी निगम टीम का प्रतिनिधित्व कर रही थी। कटनी की वर्षो के बाद संभाग स्तरीय विजय से कटनी जिले के शिक्षा विभाग के जिला अधिकारी पृथ्वी पाल सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी अनूप डाँगीवाल, प्रमोद डेहरिया सहित खेल विभाग ने हर्ष व्यक्त किया है। टीम में अभय निगम, मोहम्मद शबान, मोहम्मद साहिद अली, हमजा अमीर, हमजा मोहम्मद, आजाद करीम खान, शिवम, देव, सुमित सेन, मनदीप शामिल रहे।

सक्रियता लाने महिला कांग्रेस की नई टीम घोषित

कटनी,यशभारत। जिला शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष रजनी वर्मा ने प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल की अनुमति से जिला शहर महिला कांग्रेस की कार्यकारिणी घोषित की है। पूर्व पार्षद द्वय श्रीमति लता कनौजिया एवं सुश्री मंजू निषाद, श्रीमति मंजू मिश्रा एवं श्रीमती सीमा सैनी को संरक्षक बनाया गया है।

जिला कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष डॉ. श्रीमती अदिता वर्मा एवं अधिवक्ता श्रीमती विधि दासवानी, महामंत्री पद पर श्रीमती रूपा पाठक, श्रीमती स्नेह मिश्रा, श्रीमती ममता दुबे, सचिव पद पर श्रीमती सुमन सैनी, श्रीमती नीरा सोनी, श्रीमती प्रीति तिवारी, श्रीमती रत्ना यादव, ब्लॉक क्रमांक एक का श्रीमति सुमन रजक को एवं ब्लॉक क्रमांक दो का अध्यक्ष श्रीमती लवीना सैमुअल को बनाया गया है। मीडिया प्रभारी श्रीमती दीपिका पांडे , महिला प्रवक्ता श्रीमति प्राची खरे, वार्ड अध्यक्षों में श्रीमती कल्पना पाठक, श्रीमती लता खरे, श्रीमती करिश्मा जैसवाल, श्रीमती एल्विना डेविड, श्रीमती गिरजा देवी, श्रीमती गीता निषाद, श्रीमती रजनी पुरवार, श्रीमती अर्चना जैसवाल, श्रीमती माया बेन, श्रीमती राधा बर्मन को नियुक्त किया गया। अभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को एक कार्यक्रम के दौरान नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में प्रदेश सचिव माया चौधरी, महिला सेवादल अध्यक्ष मुमताज बानो, नीलम मेहरा, बिंदु ठाकुर, सरोज चौधरी, राधा बर्मन, सकीना बेगम, शालिनी ठाकुर, अंशिका गुप्ता आदि अन्य महिलाएं शामिल थी, सभी महिला शक्तियों ने मिलकर कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने का संकल्प लिया है।

शिशिर गेमावत होंगे जिला पंचायत सीईओ

कटनी, यशभारत। राज्य सरकार के द्वारा शुक्रवार की देरशाम जारी की गई तबादला सूची में जिला पंचायत सीईओ जगदीश चंद्र गोमे प्रभावित हुए हैं। श्री गोमे का तबादला उपसचिव पद पर ोपाल कर दिया गया है। उनके स्थान पर 2018 बैच के आईएएस अधिकारी शिशिर गेमावत जिला पंचायत सीईओ बनाया गया है। श्री गेमावत अब तक पेटलावाद जिला झाबुआ के एसडीएम पद पर पदस्थ थे। वहीं कटनी में पदस्थ सहायक कलेक्टर आर अंजलि को एसडीएम राघोगढ़ बनाया गया है।

स्लीमनाबाद के गावों में आबकारी विभाग की दबिश

कटनी,यशभारत। अवैध मदिरा के संग्रहण परिवहन विक्रय निर्माण रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के आदेशानुसार एवं जिला आबकारी अधिकारी आर.के. बघेल के निर्देशन में आबकारी वृत्त स्लीमनाबाद में ग्राम संसारपुर, पडरभटा, तेवरी की भटिया, शंकर जी की भटिया, ए-1 ढाबा, एण्ड फेमली रेस्टॉरेन्ट तेवरी बायपास एवं ग्राम बिचुआ में श्री के.के.पटेल आबकारी उपनिरीक्षक के नेतृत्व में मदिरा का अवैध रुप से निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय कर रहे लोगों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसमें आबकारी की टीम द्वारा की गई कार्यवाही में कुल जप्ती 300 किलोग्राम महुआ लाहन, एवं 11 लीटर अबैध हाथ भट्टी मदिरा तथा 10 पाव गोवा व्हिस्की के कुल 6 न्यायालयीन प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) क एवं च के पंजीबद्ध किये गये। मौके पर महुआ लाहन का सैंपल लिया जाकर नष्ट किया गया। जप्त किये गये लहान तथा मदिरा की अनुमानित राशि लगभग 17,550/- रूपये है।

अनाधिकृत रूप से राशि आहरण कर कार्य नहीं कराने पर तत्कालीन खरखरी सचिव निलंबित

तत्कालीन प्रधान और सचिव पर दर्ज होगी एफआईआर

कटनी। जनपद पंचायत कटनी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खरखरी के तत्कालीन प्रधान भगवत यादव एवं सचिव बारेलाल चौधरी के विरुद्ध शिकायतों की जांच, परीक्षण और सत्यापन कराए जाने के उपरांत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कटनी से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार तत्कालीन प्रधान एवं सचिव द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु 570610 पांच लाख सत्तर हजार छह सौ दस रुपए की वित्तीय अनियमितता की जाना पाई गई। जिला पंचायत सीईओ जगदीश चंद्र गोमे द्वारा जारी आदेशानुसार तत्कालीन प्रधान एवं सचिव द्वारा लगाए गए आरोपों के संबंध में अपना पक्ष रखने हेतु पर्याप्त अवसर देने के बावजूद न तो कार्य कराया गया और न ही राशि जमा की गई तथा मिथ्या पूर्ण जानकारी प्रस्तुत की गई। संबंधित प्रधान और सचिव द्वारा अनधिकृत रूप से राशि आहरण करने एवं निर्माण कार्य नहीं कराए जाने

जिला पंचायत सीईओ श्री गोमे ने आदेश जारी कर दिए निर्देश

के फ्लस्वरूप शासन को आर्थिक क्षति हुई तथा हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ नहीं मिला। तत्कालीन सचिव खरखरी श्री चौधरी द्वारा पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाहीए स्वेच्छाचरिता का एवं शासकीय धन के गबन का द्योतक होने के साथ ही मध्यप्रदेश पंचायत सेवा आचरण नियम 1998 के प्रावधानों के तहत कदाचरण की श्रेणी में आता है। जिला पंचायत सीईओ श्री गोमे द्वारा बारेलाल चौधरी तत्कालीन सचिव ग्राम पंचायत खरखरी, वर्तमान में पदस्थ ग्राम पंचायत बंडा एजनपद पंचायत कटनी को मध्यप्रदेश पंचायत सेवा अनुशासन तथा अपील नियम 1999 के विहित प्रावधानों के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जा कर मुख्यालय जनपद पंचायत कटनी नियत किया गया है। श्री चौधरी को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। जिला पंचायत सीईओ श्री गोमे द्वारा तत्कालीन सरपंच भगवत यादव एवं सचिव बारेलाल चौधरी के विरुद्ध पुलिस थाने में एफआई आर दर्ज कराने हेतु जनपद सीईओ को निर्देशित किया जाकर पालन प्रतिवेदन चाहा गया है।

Required

An Office Assistant Boy & Girl who must be Graduate, Having the knowledge of English Language, Computer Operations, MS-Excel and Busy Accounting Software. Strictly Only those persons apply who are fulfilling above all critaria to.

M/s RK Dall & Food Products Katni Pvt. Ltd, MadhavnagarKatni Mo. 9827261961
Email - rk.katni@gmail.com

किराये से देना है

सिंगल रूम अटैच 3000 प्रतिव्यक्ति,
22 बाई 50 का हॉल सर्विस वालों एवं ऑफिस,
बैंक, कार्यालय गोदाम के लिए
पता-बीजेपी कार्यालय के सामने, जबलपुर रोड
बरगवां, कटनी (म.प्र.) मो. 8109417340

वार्डों में नियमित सफाई एवं फॉगिंग मशीन से धुंआ किए जाने की मांग

कटनी, यशभारत। नगर निगम नेता प्रतिकक्ष रागिनी मनोज गुप्ता ने महापौर, आयुक्त एवं नगर नगम अध्यक्ष को एक पत्र लिखकर शहर के सभी वार्डो में डेंगू और मलेरिया की रोकथाम हेतु प्रतिदिन दवाइयों के छिड़काव और फागिंग मशीन से धुंआ किये जाने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि कटनी के 45 वार्डो में जनता लचर सफाई व्यवस्था से त्रस्त हो चुकी है। साफ सफाई की व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है जबकि नगर निगम द्वारा आंकड़ों में लाखों रुपए सफाई व्यवस्था के नाम पर हर माह खर्च किया जाता है। नियमित रूप से दवाइयों के छिड़काव व फागिंग मशीन ना चलाए जाने से मच्छरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। जगह जगह गंदे पानी के एकत्रित होने से मच्छर का लार्वा पनप रहा है और लोग डेंगू और मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ति हो रहे हैं और निजी अस्पतालों में लाखों रुपए बर्बाद कर रहे हैं लेकिन निगम प्रशासन को कुछ भी सरोकार नहीं है। विगत कार्यकाल की तरह डेंगू और मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों से रोकथाम के लिए कोई जन जागरूकता अभियान भी नही चलाया जा रहा है और गंदगी एकत्रित कर रहे खाली भूखंड मालिकों के विरुद्ध भी कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। निर्देश जारी कर नगर निगम के प्रत्येक वार्ड में प्रतिदिन नियमित रूप से दवाइयों का छिड़काव और फागिंग मशीन से धुआं कराए जाने की का कष्ट करें और गंदगी फैलाने वाले खाली भूखंडों के खिलाफ भी कार्यवाही की जाए।

नेता प्रतिपक्ष ने महापौर, आयुक्त एवं निगमाध्यक्ष को लिखा पत्र

राष्ट्रीय नारी शक्ति पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

कटनी,यशभारत। भारत सरकार महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा नारी शक्ति पुरस्कार 2022 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए है। यह पुरस्कार महिला सशक्तिकरण ,विशेष रूप से कमजोर और हाशिए पर रहने वाली महिलाओं की भलाई के लिए काम करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 08 मार्च 2023 को दिए जाएंगे। इच्छुक व्यक्ति, समूह, संगठन, गैर सरकारी संगठन नारी शक्ति पुरस्कार 2022 के लिए आवेदन पत्र केवल निर्दिष्ट बेबसाइट पर कर सकते है। जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन 31 अक्टूबर 2022 तक भेजे जा सकते है। पात्रता मानदंड और अन्य विवरण महिला और बाल विकास मंत्रालय की बेबसाइट पर उपलब्ध है।

mgm HOSPITAL We Care with Care

कटनी की पहली और एकमात्र
एम.आर.आई. जाँच सेंटर
एमजीएम हॉस्पिटल में अब सीटी स्कैन के साथ, एमआरआई जाँच की सुविधा उपलब्ध है।
24X7 HELPLINE NUMBER 07622-405070
एम.जी.एम. हॉस्पिटल, कटनी (म.प्र.)
Web- www.mgmhospitalkatni.com, email- info@mgmhospitalkatni.com

शिक्षा शोध समिति की नवीन कार्यकारिणी घोषित

कटनी,यशभारत। विज्ञान के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान स्थापित करने वाली संस्था शिक्षा शोध समिति की नवीन कार्यकारिणी घोषित की गई। वर्ष 2022-23 के लिए गठित टीम में अध्यक्ष मुकेश चंदेरिया ने अपनी टीम में उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती दीपिका शर्मा एवं संजीव चंदेरिया, सचिव पद हेतु रजत जैन, कोषाध्यक्ष महावीर तोमर, सह सचिव कुमारी नमिता विश्वकर्मा, प्रवक्ता राजेन्द्र सिंह ठाकुर के साथ ही कार्यकारिणी सदस्यों की घोषणा करते हुए उन्हें बधाई प्रेषित की। आगामी माह में स्थानीय दिगम्बर जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विज्ञान परिसर में जिला स्तरीय अंतर शालेय विज्ञान प्रदर्शनी का बहु प्रतीक्षित कार्यक्रम सम्पन्न होने जा रहा है । नगर के समस्त विद्यालय एवं नन्हे वैज्ञानिक छात्र छात्राओं से अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का अनुरोध है। साथ ही शिक्षा शोध समिति का सदस्यता अभियान भी चलाया जा रहा है, पूर्व में विज्ञान प्रदर्शनी में प्रतिभागी रहे छात्र छात्राओं को प्राथमिकता प्रदान कर समिति में सदस्यता प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ।

कार्यालय नगर पालिक निगम, कटनी (म.प्र.)

क्र./3677 ज.प्र.वि./2022–23 — कटनी, दिनांक 10/10/2022

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम, कटनी द्वारा निम्नांकित कार्य हेतु ई–टेण्डरिंग व्यवस्थ के अंतर्गत ऑनलाईन निविदायें https://ww.mptenders.gov.in पर key date & Time अनुसार म.प्र. शासन, लोक निर्माण विभाग भोपाल में केन्द्रीयकृत प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदारों से प्रतिशत दर पर आमंत्रित की जाती है। समस्त शर्तें व जानकारी अधोहस्ताक्षरकता के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन कार्य दिवस में नगरपालिक निगम, कटनी में अथवा पोर्टल https://ww.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)	अमानत राशि (राशि रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (राशि रुपये में)	समयावधि
1	Providing & Laying of 160 mm dia & 110 mm dia PVC Pipeline location in Viveknand Ward No. 37	15.87	11908	2000	60 दिवस
2	Drilling 200 mm dia Ordirary tubewell at various locations in Vivekanand Ward No. 37	2.07	2077	2000	30 दिवस

निविदा का शेड्यूड निम्नानुसार है :– (1) निविदा प्रपत्र क्रय एवं विड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि 13/10/2022 को सायंकाल 5.30 से। (2) निविदा प्रपत्र क्रय एवं विड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 14/11/2022 को सायंकाल 5.30 तक। (3) विड खोलने की तिथि 16/11/2022 को दोपहर 1.00 बजे से। (4) निविदा के सभी संशोधन सिर्फ ऑनलाइन अपलोड किये जावेंगे, समाचार पत्रों में नहीं।

कार्यपालन यंत्री वास्ते आयुक्त
नगर पालिक निगम, कटनी

Tuesday Offer
@99/- Available On
All Seats Except Recliners
CINEWORLDZ CINEMA KATNI
Mittal MALL
paytm
bookmyshow
From 14th October 2022

TIMINGS MAY CHANGE FOR CURRENT UPDATE VISIT ON BOOK MY SHOW & PAYTM
2nd Floor, Mittal Mall, Beside Mittal Enclave, Collectorate Road, Katni M.P.
Contact No. 9993123830

संपादकीय

आर्थिक गिरावट का अर्थशास्त्र

भारत में सितंबर में महंगाई दर 7.41 प्रतिशत पर पहुंच गई। यानी अप्रैल के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर। इस बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने महंगाई पर काबू पाने के लिए कई किस्तों में ब्याज दरें बढ़ाई हैं। लेकिन अब यह साफ है कि यह उपाय कारगर नहीं है। ऐसा होना भी नहीं था। इसलिए कि ब्याज दरें बढ़ाना तब कारगर होता है, अगर मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था के ओवरहीटिंग से बढ़ रही हो। यानी तब जबकि आमदनी बढ़ने से उपभोग बढ़ रहा हो और मांग के कारण उत्पादक निवेश की 'एनिमल स्पीरिट' बेलगा हो गई हो। लेकिन इस बार की महंगाई ऐसी नहीं है। इस बार महंगाई सप्लाई साइड की मुश्किलों के कारण बढ़ी है। इसीलिए दुनिया भर में इसे रोकने के लिए ब्याज दरें बढ़ाने का तरीका फेल हो रहा है। उलटे ब्याज दरें बढ़ने से समाज के एक तबके की आमदनी पर और दबाव बढ़ा है। उधर महंगाई बेकाबू रहने की वजह से लगभग हर तबके की वास्तविक गिरी है। ऐसे में बाजार में पहले से ही घटी मांग अब गायब होती जा रही है। इस आंकड़ों से सबके ललाट पर चिंता की रेखाएं काफी गहरी हो जानी चाहिए थीं कि सितंबर में तेल-साबुन जैसी आम रोजमर्रा की जरूरत वाली चीजों की बिक्री लगभग दस फीसदी गिरी। जब ये आलम हो, तो इस आंकड़े पर हैरत क्यों होनी चाहिए कि उसी महीने में औद्योगिक उत्पादन 0.8 प्रतिशत सिकुड़ गया। अगर लोग चीजें खरीदने की स्थिति में नहीं होंगे, तो कारखाना मालिक किसके लिए उत्पादन करेंगे? भारतीय अर्थव्यवस्था में नए सिरे से आ रही गिरावट का सामान्य अर्थशास्त्र है, जिसे समझने के लिए अर्थशास्त्री होने की जरूरत नहीं है। फिर भी यह देश का दुर्भाग्य है कि भारतीय मीडिया बदहाली के बीच चमकने वाली सुर्खियों की तलाश में लगा हुआ है। मसलन, आईएमएफ की ताजा रिपोर्ट का सार यह था कि भारत इस वर्ष जीडीपी की पहले अनुमानित दर को अब हासिल नहीं कर पाएगा। लेकिन सुर्खी यह बनी कि भारत की वृद्धि दर दूसरे देशों से बेहतर रहेगी। अब ये सुर्खी ऊपर से निर्देश के कारण बनी, या मीडियाकर्मियों का मानस खुद ऊपर की इच्छा को समझने लगा है, यह हमें नहीं मालूम है।

दीवाली के पूर्व के ये दिन- समाज के एक एक व्यक्ति को जोड़ने की परंपरा

विजय दशमीं से दीपावली के बीच के ये बीस दिन समाज के एक एक व्यक्ति को जोड़कर राष्ट्र निर्माण करने की अवधि है। इसका आरंभ भगवान श्रीराम जी ने त्रेता युग से किया था। इसका मूल उद्देश्य भले आज विस्मरण हो रहा हो पर उसका पूरा अनुपालन भारतीय सनातन समाज आज भी कर रहा है।

रामजी ने रावण का वध दशहरे पर कर दिया था। पर वे कार्तिक मास की अमावस को अयोध्या लौटे। अर्थात उन्हे लौटने में बीस दिन लगे। यहाँ दो प्रश्न उठते हैं। पहला यह कि रामजी द्वारा रावण का वध कर देने के बाद कुल तीन दिन लगे थे। फिर भी अयोध्या लौटने का अंतराल बीस दिनों का है। लंका में रावण सहित उसके सभी परिजनों के अंतिम संस्कार में एक दिन, विभीषण का राज्याभिषेक दूसरे दिन, और विभीषण द्वारा सीता माता को ससम्मान रामजी के पास भेजने में और रामजी की ससम्मान विदाई में एक दिन और लगा। ये मिलाकर कुल तीन दिन हुये। विदाई में विभीषण ने रामजी को पुष्पक विमान भेंट कर दिया था। रामजी उसी पुष्पक विमान से अयोध्या लौटे थे। पुष्पक विमान की गति पवन से भी तेज थी। वह मन की गति से भी चल सकता था। तब रामजी कुछ घंटों में ही लंका से अयोध्या आ सकते थे। फिर भी रामजी को मार्ग में सत्रह दिन लगे? दूसरा प्रश्न यह है कि यदि रामजी के लौटने पर दीप जलाने परंपरा आरंभ हुई है तो दीवाली का यह उत्सव केवल दीपोत्सव तक ही सीमित क्यों नहीं है। इन बीस दिनों में दीपावली की जो तैयारी होती है वह अकेले एक व्यक्ति या परिवार से नहीं होती। उसमें समाज के विभिन्न व्यक्तियों का सहयोग लगता है। धनवंतरि त्रियोदशी से लेकर भाई दूज तक यह उत्सव पाँच दिनों तक चलता है। इन पाँच दिनों में ऐसी कौन सी वस्तु है जो क्रय नहीं की जाती। ऐसा कौनसा वर्ग से जिससे संपर्क करके सहयोग नहीं लिया जाता। घर की झाड़ू से लेकर स्वर्णाभूषण तक सभी वस्तुएँ क्रय की जातीं हैं। समाज का ऐसा कौनसा वर्ग या व्यक्ति है जिसे भेंट नहीं दी जाती। इन दोनों प्रश्नों का उत्तर एक दूसरे से जुड़ा है।

रामजी ने पुष्पक विमान में बैठकर सीधे अयोध्या का मार्ग नहीं पकड़ा था। अपितु वे सभी वन और ग्राम्य क्षेत्रों में गये थे सभी ऋषि आश्रमों में गये थे। ये सभी वनक्षेत्र और ग्राम्य क्षेत्र वे थे जहाँ रामजी अपनी वनवास यात्रा में सीताहरण से पहले गये थे। रामजी सभी समाजों से मिले और समाज प्रमुखों को अयोध्या आने का आमंत्रण दिया। इस कार्य में उन्हे सत्रह दिन लगे। लंका से विदा होने से पहले रामजी समस्त लंका वासियों से भी मिले थे उनको भी अयोध्या आमंत्रित किया। इस प्रकार ये कुल बीस दिन सभी वर्गों और समाज के व्यक्तियों को परस्पर समरूप होने और एक दूसरे का पूरक बनने की बनने और बनाने की अवधि है। रामजी ने पूरे समाज को स्वयं से जोड़ा और सबको परस्पर जुड़ने का संकल्प भी दिलाया। चूँकि दानवी शक्तियाँ समाज के विखराव का ही तो लाभ उठातीं हैं। रामजी ने श्रीलंका से लौटते समय संपूर्ण समाज को एकत्व का यही संदेश दिया कि यदि समाज संगठित रहेगा, सशक्त रहेगा तो आसुरी शक्तियाँ सभ्य सुसंस्कृत समाज को कष्ट न दे सकेंगी। हम आज यद्यपि मूल उद्देश्य भूल गये पर समाज को जोड़ने जुड़ने की प्रक्रिया तो यथावत है। साफ सफाई, लिपाई पुताई से लेकर नयी वस्त्र वर्तन आभूषण, घर या भवन को सजाने की वस्तुएँ क्रय करते हैं जिससे हर हाथ को काम मिले। सबको एक दूसरे की आवश्यकता अनुभव हो। एक दूसरे का महत्व समझे। सब एक दूसरे का सहयोग करें तब ही तो सबकी दीवाली मनती है।

भारत विविधता से भरा देश है। यह विविधता इतनी व्यापक है कि भाव भाषा और रीति-रिवाज ही नहीं रहन सहन में भी अलग दिखती है। पर यह विविधता केवल एक वाह्य रूप है। किन्तु आतंरिक स्वरूप में पूरा भारतीय समाज सब एक रूप है। इसी को अद्वैत कहा गया है। कि कोई दो नहीं, कोई दूसरा नहीं, सब एक हैं। इसी सिद्धांत को जीवन में उतारने काम किया था राम जी ने इन बीस दिनों में। आज भले हम उस प्रसंग को भूल गये पर वह भारतीय जीवन की परंपरा में ढल गया है जिसकी झलक दीपावली की तैयारी दिखाई देती है। भारतीय संस्कृति किसी भाषा विशेष, किसी क्षेत्र विशेष, किसी वर्ग विशेष या किसी समाज विशेष की महत्ता वाला देश नहीं है। यह समूची वसुन्धरा पर निवास करने वालों को एक कुटुम्ब मानने की परंपरा का देश है। यह ठीक है कि सैकड़ों वर्षो तक लगातार दासत्व के अंधकार के कारण कुछ विसंगियाँ आ गईं हैं। यह विसंगतियाँ इसलिए भी गहरी होती चली गईं कि हमलावरों ने भारतीय समाज कोबाँधकर शासन करने की रणनीति अपनाई। वे कहते भी थे च्डिवाइड एण्ड रूलज्। अब लोग सत्य को समझ रहे हैं विसंगियाँ समय के साथ दूर हो रहीं हैं। भारतीय संस्कृति एक मात्र ऐसी मानवीय संस्कृति है जिसमें संसार का एक एक प्राणी समाया है। हमारी त्यौहारों की परंपराओं का संदेश भी यही है कि देश और दुनियाँ के विभिन्न समाजों और वर्गों का एक एक व्यक्ति परस्पर जुड़ सके, एक दूसरे का पूरक बन सके। स्वयं से जुड़ने की अवधि थी पितृपक्ष और नवरात्र। इसके तुरन्त बाद यह पूरे समाज और प्रकृति से जुड़ने के अभियान की अवधि है। इसमें कोई भेद नहीं। न नगर वासी का, न ग्रामवासी का और न कोई वन में निवासी का, जन्म का, न वर्ग का, न वर्ण का, न जाति का। सब एक दूसरे के पूरक हैं। रामजी ने न केवल प्रत्येक समाज के एक एक व्यक्ति को राजमहल से जोड़ा अपितु समाज को तंग करने वाले या उनका शोषण करने वाले संगठित समूहों का अंत भी किया। दुष्ट दमन का यह अभियान उन्होने सदैव चलाया। वनवास काल में भी और इससे पूर्व महर्षि विश्वामित्र जी साथ अपनी वनयात्रा में भी। समय के साथ शब्द बदलते हैं और संबोधन भी बदलते हैं। संगठित सशस्त्र शोषणकारी समूहों को उस काल में दैत्य, असुर या राक्षस के नामों से संबोधित किया जाता था। तब ये शक्तियां केवल ऋषि आश्रमों का ही विनाश नहीं करती थीं। अपितु समूचे समाज का शोषण भी करती थीं, ये दमनकारी समूह मनुष्य जाति का शोषण करती थीं उनका रूपान्तरण करके मनुष्य के बजाय राक्षस बनाना चाहतीं थीं। वे मनुष्यों की किस प्रकार सामूहिक हत्या करके संपत्तियों को हड़पते थे उनके आतंक की इन कथाओं से पुराण भरे पड़े हैं। उनकी घोषणाओं से संबंधित कुछ ऋचाएँ ऋग्वेद में भी आईं हैं। रामजी ने अपने वनवास काल में इन दुष्टों से मानवता की रक्षा की और समस्त समाज को एक सूत्र में पिरोया। सबसे अपने अटूट संबंध बनायें इसी की स्मृति के दिन हैं विजयदशमी पर्व के बाद दीपावली के बीच के बीस दिन।

श्रीलंका से प्रस्थान करते समय व विभीषण ने रामजी को आग्रह पूर्वक श्रीलंका के अक्षय खजाने से विनती पूर्वक कुछ भेंट अर्पित की थी। वह संपदा विमान में थी। रामजी ने लौटते समय वह समस्त संपत्ति ग्रामवासियों और वनवासियों को सक्षम और समृद्ध बनाने के लिये बाँट दी थी। दुनियाँ के प्रत्येक समाज में क्षेत्रीयता का विभाजन होता है। यह विभाजन प्रकृति के गुणों के कारण होता है। भूमि के हर हिस्से में एक प्रकार के ही फल फूल या फसल नहीं होते। हर पर्वत पर एक सी औषधि नहीं होती। यह विविधता ही व्यक्ति या समाज की जीवन शैली विकसित करती है। इसी आधार पर समूह बनते हैं जो वर्ग या उपवर्ग का रूप ले लेते हैं। यह विभाजन आज भी है। ग्रामवासियों और वनवासियों के कितने उपवर्ग हैं। भील गौंड, कोल, कोरकू माढ़िया मुंडा आदि। ऐसे उपवर्ग तब भी थे। रामजी सभी वनवासी वर्गों और उपवर्गों के बीच रहे। लौटते समय उनके मुखियाओं को अपने साथ अयोध्या लेकर आये। सबको साथ लेकर ही रामजी अयोध्या लौटे। रामजी जानते थे कि जिस प्रकार एक ही वृक्ष की शाखाएं अलग-अलग दिशाओं में फैलती हैं या उसके पके हुये फल से निकला बीज किसी दूसरे स्थान पर पनप जाता है, नया वृक्ष बन जाता है उसी समाज का विस्तार होता है। विश्व की संपूर्ण मानवता का केन्द्रीभूत विन्दु एक ही है। इसी भाव से भरा हुआ उनका आचरण था और यही संदेश उन्होंने समाज को दिया। उनके विमान में निषाद किरात केवट आदि सभी समूहों के प्रतिनिधि अयोध्या आये थे। हजार वर्ष के अंधकार के बाद भी भारतीय जीवन में यह परंपरा आज भी बनी हुई। इसीलिए दीपावली पर केवल दीप भर नहीं जलाते बल्कि समूचे समाज का मानो कायाकल्प होता है। धन से भी श्रम से भी परस्पर आदान प्रदान से भी और भेंट मिलाप से भी।

-रमेश शर्मा

व्यंग्य : करोना अब बूढ़ा हो गया है

करोना अब बूढ़ा हो गया है। यह बात बहुत कम लोगों को ही मालूम है। और जिन्हें मालूम है, उनमें ज्यादातर स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हुए लोग ही हैं। बाकी जनता इससे अनभिज्ञ है।बुढ़ापा किसी का भी हो कष्टप्रद होता ही है। जब से करोना बूढ़ा हुआ है,,, लोगों ने उसकी इज्जत करना ही छोड़ दिया है। और तो और पहले लोग कोरोना के नाम से ही इतने भयभीत हुआ करते थे, कि घरों से बाहर तक नहीं निकल पाते थे। यहां तक की घर में भी रहकर अपने चेहरे पर मास्क लगाये रहते थे। और तो और खाने पीने में भी बहुत सावधानियां रखते थे। बाजारों का खानपान बिल्कुल खत्म हो गया था। जब करोना जवान था,,,,,! तब लोग घरों में दुबक कर बैठे रहते थे। सरकारें भी कांपने लगी थी। सरकारों ने बसें, ट्रेने, हवाई जहाज, सब कुछ बंद कर दिये थे।

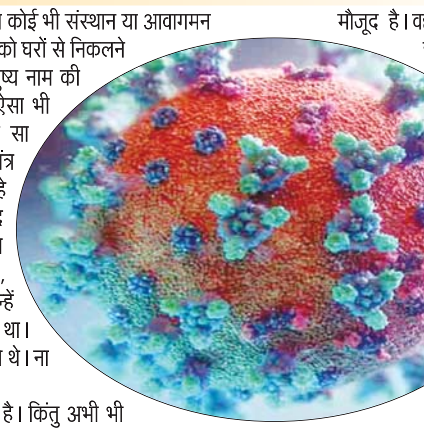

पूरे संसार में कोई भी दुकान या कोई भी संस्थान या आवागमन का साधन तक नहीं था। लोगों को घरों से निकलने की पाबंधी थी। धरती पर मनुष्य नाम की कोई चीज़ ही नहीं रहती है। ऐसा भी लगने लगा था। पाषाण युग सा नजारा था। सिर्फ जानवर स्वतंत्र रूप से घूमते हुये पाये जाते रहे हैं। कुत्ता, बिल्ली, गधे घोड़े आदि स्वतंत्र घूमते हुये कहीं भी दिख जाते थे। और पुलिस वाले भी,,, व्यवस्थापक के रूप में,,। इन्हें करोना से कोई भी डर नहीं था। किंतु मनुष्य ढूढ़ने से नहीं मिलते थे। ना ही सड़कों पर नजर आते थे।

करोना बूढ़ा जरूर हो गया है। किंतु अभी भी मौजूद है। वह आज भी धरती पर विद्यान है। ऐसा विद्वान कहते हैं। और अब तो वह लोगों के अंदर जगह भी बना चुका है। लेकिन बूढ़े होने के कारण उसमें वह शक्ति नहीं रही,,, जो पहले थी। अब तो लोग खांसते रहते हैं। छींकते रहते हैं। और बाजू वाले ध्यान तक नहीं देते। मास्क तक नहीं लगाते हैं। अब करोना का डर खत्म हो गया है। हालांकि करोना के जो गुण है, वो सब के सब पहले जैसी ही है। किंतु कमजोर हो चुके हैं। ज्यादा असर कारक नहीं है। फिर भी एक से दूसरे में जाने का क्रम अभी भी जारी है। एक आदमी अगर झीकता है,, या खांसता है,, तो उसका असर दूसरे दिन उसके बगल में बैठे हुए आदमी के ऊपर आपको देखने को मिल जायेगा। और दो-तीन दिन बाद कुछ दवाइयां खाने के बाद वह ठीक हो जाता है। मतलब करोना है, तो मगर, बूढ़ा होने के कारण उसमें वह शक्ति नहीं रही जो पहले थी। यह बात हमारे एक बहुत ही चिन्तक मित्र ने मुझे बताई।वो हमेशा चिंतित ही रहते हैं। कुछ ना कुछ चिंता करते रहते हैं। उन्हें अपने लड़के की शादी करना है। तीन,चार,, साल से वो चिन्तन कर रहे हैं। कह रहे थे,, बहुत हो गई,, इस साल कोई रिश्ता आया तो निपटा ही देंगे। लड़का अभी बेरोजगार टाईप का है। दिन भर पान ठेला पर खड़े होकर मुफ्त का गुटका खाता रहता है। मित्र कहते हैं गधा है साला,,,। समय बड़ा बलवान होता है। कवि की दो पंक्तियां याद आ रही हैं। **समय की गति को जाने कौन, समय तो रहता हरदम मौन,,,।**

सच है,,समय का अपना अलग काम चलता रहता है।वो दिन भी थे,,जब लोगों ने करोना की जवानी के जलवे देखें है। और उस को आधार मानकर उन्होंने बड़े-बड़े अस्पताल बनवा डाले, सैकड़ों बिस्तर और पलंग खरीद डालें, न जाने कितने प्रकार की मशीनें खरीदारी, दवाइयां खरीदारी, बहुतों ने तो कई प्रकार की दवाई बनाने की मशीनें खरीद ली। लेकिन वह सब बेकार पड़ी है। बेचारे बहुत निराश है। करोना को गाली देते हैं,, कि कमबख्त बहुत ही जल्दी बूढ़ा हो गया। और हमें फकीर बना गया। उनकी सारी मशीनें और सारा सामान धूल खा रहा है। जहां पैसों की बौछार होना थी। वहां धूल की पर्त चढ़ गई। और अब उन्हें कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही,, कहते हैं कोई आधी कीमत में भी खरीद ले,, तो हम यह सामान बेचने को तैयार है। क्योंकि करोना अब बूढ़ा हो चला है। और अब इसकी फिर से जवान होने की आशा नहीं है। अगर किसी टानिक को ले लेगा तो थोड़ा बहुत चैतन्य हो ही जाएगा। तो उससे भी अब कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। क्योंकि लोगों की सहनशक्ति भी बढ़ गई है। और लोगों का ध्यान भी उस तरफ से हट सा गया है। बूढ़े करोना को झेलने की ताकत लोगों में बगैर काढ़ा पिये भी आ गई है।

महिलाये भी चाट की दुकानों पर जाकर चाट का आनंद लेने लगी है। बूढ़ा करोना असहाय हो गया है,,, मुटर- मुटर देखता रहता है।

सुरेश विचित्र
जबलपुर, मप्र

आपका राशिफल 16 अक्टूबर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है।धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शुभांक-4-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग हैं। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-7-8-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़े अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बने रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) — प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पूजा-पाठ आदि धार्मिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म में रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-7-8

फिल्म वर्ग पहेली - 5959

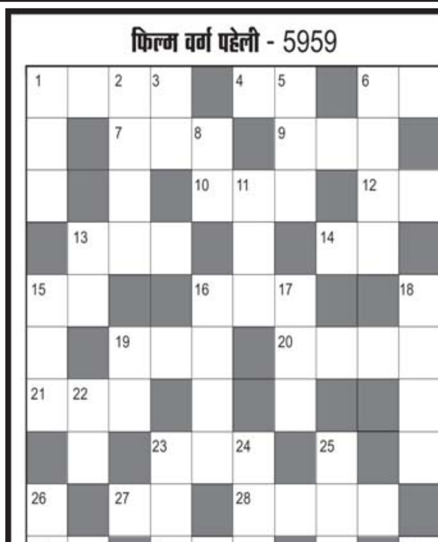

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुघ्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रूकिये तो' गीत वाली शाहरूख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रूके रूके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 5958

Jagrutidaur.com, Bangalore

अर्द्धनारीश्वर शिव का भौतिक महत्त्व

विस्कान्सन विश्वविद्यालय, अमेरिका के भौतिकशास्त्री प्रो जॉर्ज और तंत्रशास्त्र की प्रोफेसर डॉ कैथी भगवान शिव के अर्द्धनारीश्वर स्वरूप की कल्पना में धनात्मक और ऋणात्मक गुणों के प्रतीक देखते हैं। षिव जो ऊर्जा के देवता हैं, वह धनात्मक गुण और पार्वती जो प्रकृति की उर्वरा षक्ति हैं, वे त्र्ऱ्णात्मक गुण की प्रतीक हैं। इसे ही सापेक्षता सिद्धांत के रूप में भौतिक विज्ञानियों ने देखा है। दरअसल, प्रकाश में कण और तरंग एक साथ समाहित रहते हैं, इसी तरह इलेक्ट्रान भी एक कण और एक तरंग का रूप धारण कर लेता है। सापेक्षता का सिद्धांत इन स्वरूपों को साकार करता है, क्योंकि ये एक ही शक्ति के दो स्वरूप हैं। शिव और पार्वती का समन्वित रूप अर्द्धनारीश्वर भी इसी सिद्धांत को भौतिक रूप में प्रतिबिंबित करता है। अर्थात सहसंबंध ही विज्ञान है। पुराणों में शिव की कल्पना एक ऐसे रूप में की गई है, जिसका आधा शरीर स्त्री तथा आधा पुरुष का है। शिव के इस स्त्री मिश्रित शरीर को हम अर्धनारीश्वर नाम से जानते हैं। शिव-पुराण के अनुसार शिव को इस रूप-विधान में पुरुष को ब्रह्मात्मक मानकर, ब्रह्म से भिन्न उसकी शक्ति माया को स्त्री के आधे रूप में चित्रित किया गया है। शिव का रूप अग्नि एवं सोम अर्थात सूर्य एवं चंद्रमा के सम्मिलन का भी रूप है। यानी पुरुष का अर्धांश सूर्य और स्त्री का अर्धांश चंद्रमा के प्रतीक हैं। सृष्टि के आरंभ में फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी के दिन शिव और शक्तिरूपा पर्वती उत्पन्न हुए थे।

अर्घनारीश्वर के संदर्भ में जो कथा प्रचलन में है, वह है, जब ब्रह्मा ने सृश्टि के विधान को आगे बढ़ाने की बात सोची और इसे साकार करना चाहा, तो उन्हें इसे, अकेले पुरुश रूप से आगे बढ़ाना संभव नहीं लगा। तब उन्होंने षिव को बुलाकर अपना मंतव्य प्रगट किया। शिव ने ब्रह्मा के मूल भाव को समझते हुए उन्हें अर्घनारीश्वर में दर्शन दिए। अर्थात स्त्री और पुरुश के सम्मिलन से सृष्टि के विकास की कल्पना दी। यह भी माना जाता है कि जब बरसात में बिजली दमकती है, तब उसकी रेखामयी अकृति अर्द्धनरीश्वर संरचना जैसी दिखती है। इस सूत्र के हाथ लगने के बाद ही ब्रह्मा ने सृष्टि के क्रम को निरंतर गतिशील बनाए रखने का विधान रचा। सच्चाई भी है कि स्त्री व पुरुष का समन्वय ही सृष्टि का वास्तविक विधान है। इसीलिए स्त्री को प्रकृति का प्रतीक माना है। अर्थात प्रकृति में जिस तरह से सृजन का क्रम जारी रहता है, मनुश्य-योनी में उसी सृजन प्रक्रिया को स्त्री गतिषील बनाए हुए है। अर्धनारीष्वर यानी आधे-आधे रूपों में स्त्री और पुरुश की देहों का आत्मसात हो जाना। शिव-गौरी का वह महा-सम्मिलन है, जो सृष्टि के बीज को स्त्री की कोख, अर्थात प्रकृति की उर्वरा भूमि में रोपता है। सृष्टि का यह विकासक्रम अनवरत चलता रहे, इसीलिए सृष्टि के निर्माताओं ने इसमें आनंद की सुखानुभूति भी जोड़ दी है। सृष्टि के इस आदिभूत मातृत्व व पितृत्व को पुराणों की प्रतीकात्मक भाषा में पर्वती-परमेश्वर या शिव-पर्वती कहा गया है। अर्थात शिव-शक्ति के साथ संयुक्त होकर अर्धनारीश्वर बन जाते हैं। अतएव शिव से कहलाया है कि शक्ति यानी स्त्री को स्वीकार किए बिना पुरुष अपूर्ण है। स्त्री के बिना कोई कल्पना फलित नहीं हो सकती। अर्थात पुरुशरूपी शिव और प्रकृति रूपी स्त्री जब अर्धनारीश्वर के रूप में एकाकार होते हैं तो सभी भेद और विकार स्वत: समाप्त हो जाते हैं। फलत: जब पति-पत्नी के रूप में स्त्री-पुरुष एक दूसरे को आंतरिक रूप से तृप्त करते हैं, तभी अर्धनारीश्वर स्वरूप सार्थक होता है।

सूडोकु नवताल- 6471

★★★✯☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6470 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

विचार प्रवाह

इंसान सुखी रहने के लिए मकान बदलता है, दुकान बदलता है, लिबास बदलता है, दोस्त बदलता है, गाड़ी बदलता है, मोबाइल बदलता है फिर भी दुखी है, क्यों? क्योंकि वह सब कुछ तो बदलता है अपन अपने आप को नहीं बदलता, अपने स्वभाव को नहीं बदलता। सुखी होने का एक ही उपाय है अपने को बदलिए, सामने वाला नहीं बदलेगा।

-मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7511

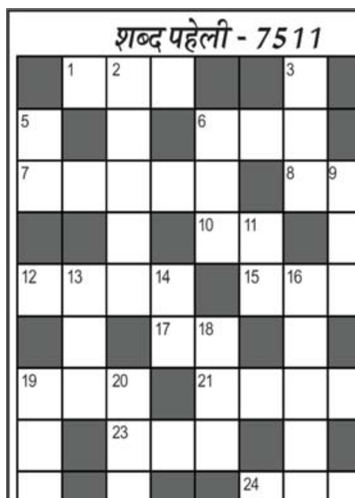

बाएँ से दाएँ

1. सिंह, शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा, थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना, तड़कना-4
17. शराब, मदिरा-2
19. बुद्धि, मति-3
21. सेवा,, चाकरी, देखभाल-5
23. कर्म, भाग्य-3
24. यज्ञ, होम-3

ऊपर से नीचे

2. आक्रमणकारी-5
3. समा, माहौल-3
4. आर्द्रता, नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर, फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति, 60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा, खुमार-2
13. नरम, मुलायम-3
14. एक जैसा, समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ, बेसहारा-3
19. खालिस, शुद्ध-3
20. फालिज, पक्षाघात-3
22. क्रोध, खीज, गुस्सा-2

शब्द पहेली -7510 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

बाघ एक हफ्ते में खुद से जंगल नहीं लौटा तो बेहोश करके पकड़ेंगे विशेषज्ञ

भोपाल, यशभारत। मैनिट परिसर में घूम रहा बाघ टी—1234 एक हफ्ते में खुद से जंगल नहीं लौटा तो उसे बेहोश करके पकड़ा जाएगा। वन विभाग के अधिकारियों ने विशेषज्ञों के साथ मिलकर इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। वन्यप्राणी विभाग के अधिकारी व डाक्टरों का एक दल मैनिट परिसर का भ्रमण कर चुका है, जो हर तरह की संभावनाओं पर काम कर रहा है। जल्द ही बाघ को पकड़ने के बारे में निर्णय लिया जाएगा। परिसर के अंदर तालाब के आसपास 15 दिनों से बाघ दिखाई दे रहा है।

वह चार मवेशियों पर हमला कर चुका है, जिसमें से एक की मौत हो चुकी है। इस बाघ के सामने वन्यप्राणी विशेषज्ञ भी पस्त हो गए हैं। इसके पगमार्क मिल रहे हैं, वह शिकार भी कर रहा है। ट्रैप कैमरे में उसकी तस्वीर मिल रहे हैं। यहां तक कि वह पिंजरे के नजदीक तक पहुंच रहा है लेकिन आंखों से दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रहा है। यही वजह है कि विशेषज्ञ उसे पकड़ने या बाहर खदेड़ने की योजना नहीं बन पा रही है। हालांकि यदि वह स्वयं ठिकाना नहीं बदलता है तो उसे पकड़ना ही एकमात्र उपाए है। जिस पर काम चल रहा है। मैनिट परिसर में उसके दाखिल होने के बाद से उसकी सुरक्षा में 50 वनकर्मियों को दो अलग-अलग शिफ्ट में तैनात किया है। तीन दिन पूर्व अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यप्राणी विभाग शुभरंजन सेन व चिकित्सकों का एक दल मैनिट परिसर में उसके भ्रमण वाले इलाके को देख चुके हैं लेकिन अब तक कोई रणनीति नहीं बन पाई है।

बाघ के सामने इस तरह पस्त

1- विशेषज्ञों के मुताबिक कोई भी बाघ एक ही नए क्षेत्र में 15 दिनों तक भ्रमण नहीं करता। अधिकतम दो से तीन दिन में ठिकाना बदल लेता है, लेकिन यह नहीं बदल रहा है।
2- यह दिन के समय झाड़ियों व घास के बीच दुबके रहता है, यही वजह है कि दिन में खोजने पर नहीं मिल रहा है। ऐसा नए बाघ करते हैं।
3- यह युवा है, जिसकी उम्र करीब दो से ढ़ाई वर्ष बताई जा रही है, इस तरह वह अनुभव में भी कम है। बाघ को पकड़ने दो पिंजरे लगाए हैं। वन विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक वह दोनों के आसपास घूमता है लेकिन बकरे व पड़िया का शिकार करने के लिए उसके अंदर दाखिल नहीं होता है। आमतौर पर बाघ अंदर प्रवेश कर लेते हैं और फंस जाते हैं। मैनिट परिसर के अंदर वह अपना ठिकाना भी नहीं बदल रहा है। सीमित दायरे में ही घूम रहा है।

वन विभाग के सामने यह चुनौती

मैनिट के अंदर 600 एकड़ का वन क्षेत्र है। जिसमें बड़ी झाड़िया, घास, पेड़ है। यदि उसे पकड़ने के लिए हाथी लाए भी गए तो पकड़ा आसान नहीं होगा। यदि हांका डाला तो जरूरी नहीं कि वह मैनिट को छोड़कर मूल जंगल में ही जाएगा, शहर के अंदर भी दाखिल हो सकता है। बाघ की मौजूदगी अभी भी है, उसकी निगरानी कर रहे हैं। पकड़ने की योजना के संबंध में वरिष्ठ स्तर से निर्देश मिलने पर काम करेंगे।

– आलोक पाठक,
डीएफओ भोपाल सामान्य वन मंडल

मप्र कांग्रेस के स्वागत से अभिभूत हुए शशि थरूर

कमल नाथ को दिया धन्यवाद

भोपाल यशभारत। कांग्रेस अध्यक्ष पद के प्रत्याशी शशि थरूर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा शुक्रवार को भोपाल में किए गए स्वागत से अभिभूत नजर आए। उन्होंने कहा कि मेरा यहां जैसा स्वागत हुआ, वैसा छह राज्यों में कहीं नहीं हुआ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष सहित वरिष्ठ नेताओं से साथ अलग से चर्चा हुई। प्रदेश प्रतिनिधि ब?ी संख्या में आए। दोनों प्रत्याशियों को बराबरी से मौका मिला पर ऐसा कुछ प्रदेश में नहीं देखा। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डा.गोविन्द सिंह और प्रदेश कांग्रेस कमेटी को धन्यवाद दिया। गौरतलब है कि थरूर ने कई राज्यों के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों के न मिलने को लेकर आपत्ति जताई थी। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी मल्लिकार्जुन खड़गे का प्रचार करने पर कहा कि निर्वाचन प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री को देखना चाहिए कि क्या हो रहा है। चुनाव प्रचार के सिलसिले में भोपाल आए शशि थरूर ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डा.गोविन्द सिंह, वरिष्ठ विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के अनुज लक्ष्मण सिंह सहित वरिष्ठ नेताओं के साथ भेंट की। बंद कमरे में करीब आधा घंटे चली मुलाकात के बाद उन्होंने प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधियों के साथ राजीव गांधी सभागार में चर्चा की और कहा कि यह चुनाव कांग्रेस के भविष्य और मजबूती का है। जो दल लोकतंत्र की बात करते हैं, उनके लिए यह अच्छा उदाहरण हैं और उन्हें इसे देखना चाहिए। मैं जीतूं या मल्लिकार्जुन ख?गे, जीत कांग्रेस की ही होगी। प्रत्येक प्रतिनिधि को 22 साल बाद यह मौका मिला है कि वह अपने मन से अंतरात्मा की आवाज पर अध्यक्ष चुन सके। सभी निष्पक्ष होकर मतदान करें। पूरी प्रक्रिया गोपनीय है और किसी को यह पता नहीं चल सकता है कि किस राज्य से किस प्रत्याशी को किसने वोट दिया। गांधी परिवार पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि वह निष्पक्ष है। कार्यकर्ता जिसे भी चुनेंगे वो पार्टी को आगे ले जाएगा।

हमारे सामने कई चुनौतियां हैं

थरूर ने पार्टी के सामने आगामी चुनौतियों को लेकर हुए प्रश्न पर कहा कि हमारे सामने कई चुनौतियां हैं। कुछ चुनाव हम हारे हैं। लोकसभा चुनाव में 19 प्रतिशत वोट मिला था। यह क्यों हुआ और वोट कम क्यों हुए, इस पर विचार करना होगा। नए मतदाताओं को जोड़ना होगा। आने वाले समय में गुजरात, हिमाचल प्रदेश सहित अन्य राज्यों के चुनाव होने हैं। 2024 में लोकसभा चुनाव होंगे। हमें संगठन को तैयार करना है। यह कार्यकर्ताओं के बलबूते ही संभव हो पाएगा। मैं परिवर्तन का उम्मीदवार हूं और यदि चुनाव जीता तो सबसे पहला आदेश वर्किंग कमेटी के चुनाव का करूंगा।

संघ का राजनीतिक चेहरा है भाजपा

चुनाव में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की सक्रियता को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा और संघ में भेद नहीं किया जा सकता है। चुनाव के दौरान मतदाताओं से संपर्क का काम संघ के कार्यकर्ता करते हैं। संघ का राजनीतिक चेहरा भाजपा है। दोनों में कोई अंतर नहीं किया जा सकता है। प्रधानमंत्री पद के लिए पार्टी के चेहरे पर उन्होंने कहा कि यह बाद की बात है। हमें गठबंधन करना होगा। यह राष्ट्रीय स्तर पर महागठबंधन के रूप में हो सकता है या फिर राज्य स्तर पर हो सकता है।

मैं खड़गे के खिलाफ नहीं, हम सहयोगी हैं

उन्होंने कहा कि मैं खड़गे के खिलाफ नहीं हूं। हम दोनों सहयोगी हैं। वे लोकसभा में हमारे नेता रहे हैं। हम दोनों कार्यकर्ताओं के बीच अपनी बात रख रहे हैं। पार्टी के अंदर चुनाव हो रहा है और जीते कोई भी हम मिलकर काम करेंगे। जी 23 के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि मैंने जिस पत्र पर हस्ताक्षर किए थे, उसमें चुनाव कराने, वर्किंग कमेटी और संसदीय बोर्ड बनाने की बात थी।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के बीए प्रथम वर्ष की परीक्षा में सिर्फ 30 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण, पुनर्मूल्यांकन की मांग

भोपाल, ईएमएस। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) ने नई शिक्षा नीति के तहत बीए प्रथम वर्ष की परीक्षाओं के रिजल्ट जारी कर दिए हैं। इसके तहत करीब 60 प्रतिशत विद्यार्थी भी चार क्रेडिट नहीं ला पाए हैं। इस कारण उन्हें पूरक मिला है और रिजल्ट खराब हुआ है। वहीं 400 विद्यार्थियों के खिलाफ नकल प्रकरण दर्ज होने के कारण नतीजे रोके गए हैं। इस परीक्षा में करीब 34 हजार विद्यार्थी शामिल हुए थे। इसमें से 10,345 विद्यार्थी पास और 22 हजार की पूरक आई है। शुक्रवार को प्रथम वर्ष के करीब 50 विद्यार्थी कुलपति और कुलसचिव से मिलने पहुंचे थे। सभी ने उत्तरपुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन की मांग की। इस पर कुलपति प्रो. एसके जैन ने विद्यार्थियों को उनकी उत्तरपुस्तिका भी दिखवाई और उन्हें किस तरह से कम क्रेडिट मिले, इसकी जानकारी भी दी। बता दें कि पिछले सत्र से यूजी प्रथम वर्ष से राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है। इसके तहत बीयू ने पहले बीबीए, बीएससी, बीकाम और बीएससी होमसाइंस के रिजल्ट जारी किया। इसमें भी 300 से अधिक विद्यार्थियों को फाउंडेशन कोर्स में जीरो नंबर दिया गया है।

शहर की 18 हजार से ज्यादा बंद स्ट्रीट लाइटों को सुधारने में जुटा निगम, दीपावली से पहले जगमगाएगा शहर

भोपाल, यशभारत। शहर में लंबे समय से बंद पड़ीं स्ट्रीट लाइटों को सुधारने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। वर्तमान में शहर की लगभग 18 हजार से ज्यादा स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हुई हैं। जिनमें मुख्य मार्गों के साथ अंदरूनी इलाकों की स्ट्रीट लाइटें भी शामिल हैं। लगभग 200 किमी सड़कों पर स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं। जिनके कारण शहरवासी परेशान हैं, लेकिन नगर निगम और स्मार्ट सिटी कंपनी ने इन सभी लाइटों को सुधारने का काम युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि दीपावली से पहले शहर में लगभग हर जगह पर स्ट्रीट लाइट सुधारने का काम पूरा कर दिया जाएगा। नगर निगम ने शहर के जेल रोड, चूना भट्टी मेन रोड, कोलार मेन रोड, बागसेवनिया थाने से विश्वकर्मा मंदिर, बावड़िया कला ब्रिज, गुजराती कॉलोनी, बावड़िया कला चौराहे से आकृति इको सिटी, लिंक रोड नंबर 3, सलैया, मिसरोद और बावड़ियां कलां, हर्षवर्धन नगर, माता मंदिर, अशोका गार्डन 80 फिट रोड पर स्ट्रीट लाइट लगाने का काम शुरू कर दिया है। अयोध्या बायपास और भेल क्षेत्र में स्ट्रीट लाइटें सुधारने का काम चल रहा है, जिसमें से ज्यादातर जगहों पर लाइटें सुधार ली गई हैं। संत हिरदाराम नगर में भी स्ट्रीट लाइटें सुधारने का काम जारी है। निगम शिकायतों के आधार पर अंदरूनी कॉलोनियों में भी स्ट्रीट लाइटें सुधारने का काम कर रहा है।

कमिश्नर ने दिए थे लाइटें सुधारने के निर्देश

कमिश्नर ने पिछले महीने इलेक्ट्रिसिटी सेक्शन के साथ हुई एक बैठक में शहर की बंद लाइटों को युद्ध स्तर पर सुधारने के निर्देश दिए थे। उसी के तहत यह काम किए जा रहे हैं। निगम और स्मार्ट सिटी के 6 हाइड्रोलिक वाहन शहर में रोजाना लाइटों को सुधारने का काम कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश प्री-नर्सिंग सेलेक्शन टेस्ट के प्रवेश पत्र जारी

भोपाल, यशभारत। मध्यप्रदेश प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड ने राज्य स्तरीय परीक्षा प्री-नर्सिंग सेलेक्शन टेस्ट 2021 के एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। अभ्यर्थी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट peb.mp.gov.in पर जाकर अपने एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। एमपीपीईबी की ओर से पीएनएसटी 2021 का आयोजन 17 और 18 अक्टूबर 2022 को किया जाना है। एमपीपीईबी की इस परीक्षा के जरिए राज्य में कुल 810 रिक्तियों पर योग्य अभ्यर्थियों का बीएससी नर्सिंग में चयन किया जाना है। बीएससी नर्सिंग कोर्स एक 4 वर्षीय कोर्स है जिसके जरिए राज्य के 6 सरकारी नर्सिंग संस्थानों में प्रवेश दिया जाएगा। प्री-नर्सिंग सेलेक्शन परीक्षा के बाद काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू होगी। एमपीपीईबी पीएनएसटी के एडमिट कार्ड आवेदन संख्या और डेट ऑफ बर्थ की सूचना भरकर डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ऐसे डाउनलोड करें PNST एडमिट कार्ड

एमपीपीईबी की आधिकारिक वेबसाइट peb.mp.gov.in पर जाएं।यहां दिए लिंक Test Admit Card - Pre-Nursing Selection Test (PNST) - 2021' पर क्लिक करें।अपनी आवेदन संख्या और डेट ऑफ बर्थ की सूचना भरें।अब पीएनएसटी एडमिट कार्ड का लिंक आपकी स्क्रीन पर उपलब्ध होगा जिसे चेक करें और डाउनलोड करें।

परीक्षा में जाने से पहले ध्यान रखें ये बातें

1-उम्मीदवार एडमिट कार्ड में दिए गए रिपोर्टिंग / प्रवेश समय की जांच करके समय के अनुसार केंद्र तक पहुंचे, प्रवेश के समय केंद्र पर किसी भी भीड़ से बचें और सामाजिक दूरी बनाए रखे7
2. लेखनसहायक के साथ उम्मीदवार के मामले में, उम्मीदवार और लेखनसहायक दोनों को अपना अपना मास्क लाना होगा। उम्मीदवारों को उनके साथ केवल कुछ वस्तुओं को कार्यक्रम स्थल में ले जाने की अनुमति होगी।
3-परीक्षा से संबंधित दस्तावेज,एडमिट कार्ड, आईडी कार्ड आदि। कृपया अधिक जानकारी के लिए एडमिट कार्ड देखें।
4-एक साधारण पारदर्शी बॉल प्वाइंट पेन।
5-अतिरिक्त तस्वीर, हाजिरी रजिस्टर पर चिपकाया जाएगा।
6-व्यक्तिगत हैंड सेनेटाइजर (50 द्रव्य) की बॉटल भी अपने साथ रखें।
7-व्यक्तिगत पारदर्शी पानी की बोतल भी साथ ला सकते हैं।

वाहनों की बिक्री बढ़ी, आरटीओ का सर्वर सुस्त, समय पर नहीं मिल रहे पंजीयन कार्ड

भोपाल, ईएमएस। नवरात्र, दशहरा पर शहर में 100 वाहनों के शोरूम से करीब 10 हजार दोपहिया व चार पहिया वाहन बिके। अब भी रोजाना गाड़ियां बिक रही हैं, लेकिन खरीदे गए वाहनों के पंजीयन कार्ड लोगों को समय पर नहीं मिल रहे हैं। वाहन-चार पोर्टल पर वाहनों की जानकारी नहीं दिख रही है। शोरूम से गाड़ियां बिकते ही विक्रय पत्र व बीमा की जानकारी कई बार अपलोड नहीं हो रही है। इसके अलावा पंजीयन कार्ड बनाने के लिए आनलाइन प्रक्रिया के तहत पोर्टल में कागजात अपलोड नहीं हो रहे हैं। इससे आनलाइन पंजीयन नंबर मिलने के बाद आरटीओ से समय पर पंजीयन कार्ड वाहन शोरूम व लोगों को नहीं मिल पा रहे हैं, जबकि पुरानी व्यवस्था में सात दिन में पंजीयन कार्ड प्रिंट हो जाते थे, जिससे लोग शोरूम से कार्ड ले लेते हैं। अब एक से दो महीने की देरी होने से लोगों को वाहन खरीदने के बाद आरटीओ व वाहन शोरूम के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। ऐसे में लोगों को ट्रैफिक पुलिस की वाहन चेकिंग के दौरान परेशान होना पड़ रहा है। वाहन खरीदने के दो सप्ताह बाद भी पंजीयन नंबर की हाइ सिक्योरिटी प्लेट वाहन शोरूम से नहीं लगवा पा रहे हैं। भोपाल आटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशीष पांडे ने

बताया कि परिवहन विभाग ने एनआइसी के पोर्टल वाहन-चार पर वाहनों की पंजीयन प्रक्रिया पूरी करने के लिए डीलर्स को प्रशिक्षण दिया था। पोर्टल का सर्वर बहुत डाउन रहता है। इससे कागजात अपलोड नहीं कर पा रहे हैं। इसकी शिकायत परिवहन आयुक्त संजय कुमार झा सहित वरिष्ठ अधिकारियों से की है। अब तक कोई समस्या का हल नहीं निकाला है। पंजीयन कार्ड बनने में हो रही देरी के बारे में परिवहन आयुक्त संजय कुमार झा ने बताया कि एनआइसी के अधिकारियों से बात हुई है। जल्द ही समस्या दूरी होगी।

अप्रैल से चिप की कमी से कार्ड बनने में हो रही देरी

पंजीयन कार्ड में लगने वाली चिप की कमी होने के कारण अप्रैल से वाहनों के पंजीयन कार्ड समय पर प्रिंट नहीं हो रहे हैं। अब त्योहारी सीजन में वाहनों की बिक्री में 30 प्रतिशत तक बढ़ोत्तरी हुई है। ऐसे में वाहन-चार का पोर्टल धीमा चलने से कार्ड बनने में देरी हो रही है। कोलार निवासी आशीष कुमार ने बताया कि मोटर साइकिल लिए हुए करीब एक महीना होने को है, लेकिन पंजीयन कार्ड नहीं मिला है। इसी तरह शहर के अलग-अलग क्षेत्र में रहने वाले लोगों की पंजीयन समय पर नहीं मिलने की शिकायते हैं।

200 पंजीयन होते थे, अब 400 तक हो रहे

सामान्य दिनों में आरटीओ से रोजाना 200 वाहनों के पंजीयन होते थे। अब दोगुने हो गए हैं। रोजाना औसतन 400 दो व चार पहिया वाहनों के पंजीयन कार्ड बन रहे हैं, जबकि त्योहारी सीजन पर बिकने वाली वाहनों की संख्या 600 के पार हो गई है। पोर्टल का सर्वर धीमा चलने से 200 कम पंजीयन कार्ड प्रिंट हो पा रहे हैं। यदि आने वाले दिनों में यही स्थिति रही तो दीपावली तक कई वाहनों के पंजीयन पेंडिंग हो जाएंगे।

महाकाल लोक की प्रतिमाओं का इतिहास बताएगी यह ऐप क्यूआर कोड से पढ़ने-सुनने को मिल रही शिव की महिमा

भोपाल, यशभारत। मध्यप्रदेश के उज्जैन में महाकाल लोक का लोकार्पण 11 अक्टूबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर दिया है। इसके बाद देश की जनता को महाकाल लोक समर्पित कर दिया गया है। अब देश विदेश वा अलग-अलग प्रदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को भगवान शिव की महिमा और उनकी कथाएं सुनने को मिल रही है। श्रद्धालु क्यू आर कोड स्कैन कर अपने मोबाइल पर भी सुन रहे हैं। ये ऐतिहासिक कथाएं ऑडियो और टेक्स्ट फॉर्मेट में है। इसके लिए लोगों को एक उमा ऐप डाउनलोड कर महाकाल लोक में लगी प्रतिमाओं के इतिहास के बारे मे जानने रहा है। यह ऐप महाकाल लोक में लगे मूर्तियों के बारे में पूरा इतिहास बताएगा। उज्जैन मे कशी विश्वनाथ से 9 गुना बड़ा महाकाल लोक के नंदी द्वार से नए आंगन में श्रद्धालु जैसे ही प्रवेश करते हैं। तो शिव महिमा से जुड़ी मूर्तियां उन्हें देखने को मिलती है। इसके साथ ही महाकाल लोक मै म्यूरल भी लगे हैं। जहां अंकित शिव महिमा से जुड़ी जानकारी भक्त जान सकते हैं। अगर श्रद्धालुओं को मूर्तियों के बारे में जानना है। तो उन्हें उमा नाम का एक ऐप डाउनलोड कर म्यूरल और स्कल्प्चर पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा। इसे स्कैन करते ही श्रद्धालु पूरी कथा जान सकते हैं। उमा ऐप में फॉन्ट का आकार, शिकायत, प्रतिक्रिया और ऑडियो, टेक्स्ट किसी को शेयर भी कर सकते है।

उमा ऐप ऐसे काम करता है

महाकाल लोक में प्रवेश करते ही श्रद्धालु अपने मोबाइल पर उमा ऐप जैसे ही डाउनलोड करेंगे उनके लिए भाषा चयन का ऑप्शन आ जाएगा। इसके बाद ऐप खुलते ही म्यूरल या मूर्ति में से कोई एक चुनने का ऑप्शन मिलेगा। साथ ही ऐप में क्यूआर कोड स्कैन करने का भी ऑप्शन आएगा। क्यू आर कोड स्कैन करते ही ऑडियो शुरू हो जाता है। महाकाल लोक में 52 म्यूरल, 80 स्कल्प्चर और 200 मूर्तियां हैं, जो भगवान शिव की कहानी बताती है। कोड स्कैन करते ही भाषा सिलेक्शन का भी ऑप्शन मिलता है। अभी शुरुआत में हिंदी, अंग्रेजी, गुजराती और मराठी में जानकारी मिलेगी। भविष्य में अन्य भाषा के ऑप्शन भी मिलने लगेंगे। उज्जैन कलेक्टर आशीष सिंह के अनुसार अभी इसमें 2, 2 लाइन का कांटेक्ट आ रहा है। अभी इसका डेवलपमेंट करना बाकी है इस पर अभी काम चल रहा है। प्रोजेक्ट मैनेजर कृष्ण मुरारी शर्मा ने बताया कि श्रद्धालुओं को क्यूआर कोड स्कैन करते समय बड़ी और छोटी कहानी सुनने का ऑप्शन भी मिलेगा। सप्तऋषि मंडल समेत सबसे बड़ा म्यूरल शिव विवाह का लगाया गया है. शिव विवाह की जानकारी भी ली जा सकेगी।

स्काडा से मॉनिटरिंग हो तो अकेले कोलार परियोजना बुझा सकती है शहर की 90 फीसदी आबादी की प्यास

भोपाल, यशभारत। शहर में रोजाना विभिन्न जल स्त्रोतों से 50 करोड़ लीटर पानी की सप्लाई होती है, लेकिन इसमें से रोजाना 10 करोड़ लीटर पानी व्यर्थ ही बह जाता है। इतने पानी से शहर की 7.5 लाख आबादी की प्यास बुझाई जा सकती है। दरअसल सही मॉनिटरिंग न होने से इतने पानी की बर्बादी हो रही है। यदि पानी की सप्लाई, टंकियों के भरने और लीकेज सुधारने की मॉनिटरिंग ठीक तरह से होने लगे तो रोजाना होने वाली पानी की बर्बादी को रोका तो जा ही सकेगा। वहीं कम पानी के उपयोग से पूरे शहर को पानी दिया जा सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो यदि स्काडा सिस्टम के सहारो पानी की मॉनिटरिंग होने लगे तो अकेले कोलार से ही शहर की 90 फीसदी से ज्यादा आबादी को पानी दिया जा सकेगा। शहर में रोजाना सप्लाई होने वाला 50 करोड़ लीटर पानी अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार 36 लाख आबादी के लिए पर्याप्त है। लेकिन वर्तमान में शहर की 25 लाख आबादी को ही पानी सप्लाई नहीं किया जा सका है। शहर की कई बड़ी और पॉश कॉलोनियां अब भी बोरवेल के पानी पर ही निर्भर हैं। देश के कई बड़े शहरों में पानी की बर्बादी रोकने स्काडा सिस्टम शुरू कर दिया गया है। हालांकि भोपाल में इसका काम अभी शुरुआती दौर में है।

इस तरह होती है रोजाना पानी की बर्बादी

शहर की कई कॉलोनियों में जलापूर्ति के लिए पानी की लाइनें बदली गई हैं, लेकिन नई और पुरानी दोनों लाइनों से जल की आपूर्ति होती है। बागमुगालिया एक्सटेंशन और अरविंद विहार कॉलोनी में पुरानी और नई दोनों लाइनों से पानी आती है।कोहेफिजा, श्यामला हिल्स, अशोका गार्डन, ईदगाह हिल्स और बैरागढ़ तक 112 कॉलोनियों और अपार्टमेंट्स में नई और पुरानी दोनों लाइनें चालू हैं। शहर में 50 से ज्यादा ओवरहेड टैंक ऐसे हैं जो रात में भरते हैं, लेकिन अक्सर तय सीमा तक भरने के बाद भी इन्हें बंद नहीं किया जाता है, जिसे काफी पानी बर्बाद हो जाता है। शहर में अक्सर होने वाले लीकेज से भी पानी की बर्बादी होती और शहर में कुछ लीकेज तो ऐसे हैं, जिनसे पानी हमेशा बर्बाद होता रहता है।

आरटीओ दस्ते ने चलाया स्कूली वाहनों की जांच का अभियान

ओवरलोड आटो जप्त, बिना लाइसेंस वाहन चलाने वाले छात्रों पर भी हुई कार्रवाई

कटनी, यशभारत। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रमा दुबे ने परिवहन विभाग के स्टाफ के साथ स्कूली वाहनों की जांच के लिए अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान सिविल लाइन स्थित सेंट पॉल स्कूल के समीप स्कूली बच्चों को लाने ले जाने वाले ऑटो रिक्शा व अन्य मैजिक वाहन की जांच की गई। जांच में पांच ऑटो रिक्शा एक मैजिक वाहन नियम विरुद्ध चलते हुए पाया गए। वाहनों को जप्त कर थाना कोतवाली में रखा गया। जांच की सूचना मिलते ही स्कूली वाहन बच्चों को 500 मीटर दूर से ही छोड़ कर जाने लगे। ऑटो चालकों में अफरा तफरी का माहौल बन गया। जांच के दौरान स्कूली वाहनों के साथ-साथ बिना लाइसेंस के टू व्हीलर से स्कूल आने वाले बच्चों के लाइसेंस की भी जांच की गई। टू व्हीलर गाड़ियों को भी जप्त किया गया। बच्चों के पास लाइसेंस न होने पर जुर्माना किया गया। इसके अलावा नोबल हॉर्ट स्कूल की सभी स्कूली बसों की जांच की गई। बसों में वीएलटीडी डिवाइस वा पैनिक बटन लगाने के लिए निर्देशित किया गया।

बच्चों को प्रिसिंपल दें समझाइश

आरटीओ रमा दुबे ने सेंट पॉल स्कूल में प्रिंसिपल से चर्चा की। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी बच्चों को जो दोपहिया वाहनों से स्कूल आना-जाना करते हैं लेकिन उनके लाइसेंस नहीं हैं उन्हें बिना लाइसेंस वाहन न चलाने की समझाइश दें। सभी बच्चों को लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया के संबंध में बताया गया।

नशामुक्ति एवं हेलमेट के महत्व पर लोगों को किया जागरूक

कटनी,यशभारत। शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पुलिस विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में नशा मुक्ति अभियान एवं हेलमेट के महत्व पर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया मंजू शर्मा महिला थाना प्रभारी ने नशा न करने की नसीहत युवाओं को दी तथा उन्होंने कहा कि नशा करने के कारण कई घरों में पारिवारिक झगड़े होते हैं नशा से ही आर्थिक एवं सामाजिक जीवन में जीवन यापन पर बुरा प्रभाव पड़ता है एवं नशा के दुष्परिणामों को कई उदाहरणों के माध्यम से भी युवाओं को जानकारी दी तथा उन्होंने कहा कि प्रत्येक युवाओं को वाहन चलाते समय आवश्यक समस्त दस्तावेज ड्राइविंग लाइसेंस एवं हेलमेट लगाकर गाड़ी चलाना चाहिए तथा हेलमेट के महत्व को रेखांकित किया। प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर चित्रा प्रभात ने नशा मुक्त समाज एवं हेलमेट के महत्व के बारे में जानकारी दें। कार्यक्रम में डॉ. आर पी सिंह जिला संगठक राष्ट्रीय सेवा योजना जिला कटनी, उपनिरीक्षक सुरेश कुमार चौधरी, कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ माधुरी गर्ग, एनसीसी अधिकारी डॉक्टर सरदार दिवाकर, सविता तिवारी, डॉ अजय कुमार ठाकुर, प्रधान आरक्षक साधना ,अतुल कुमार, आदि उपस्थित रहे।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने विशेष शिविर

कटनी,यशभारत। शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय कटनी में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक मिश्रा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती साधना परस्ते एवं प्राचार्य डॉ एस के खरे के आदेश अनुसार आज दिनांक 13 अक्टूबर 2022 को महाविद्यालय के अध्ययनरत विद्यार्थियों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ चित्रा प्रभात ने विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार निर्वाचन नामावली में 1 जनवरी 2022 की स्थिति में 18 19 वर्ष के युवाओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने हेतु विशेष शिविर दिनांक 10 अक्टूबर 2022 से 20 अक्टूबर 2022 के मध्य विशेष शिविर का आयोजन किया गया है तथा युवाओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने हेतु प्रारूप 6 का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम मे डॉक्टर हेमलता गर्ग, श्रीमती उर्मिला दुबे डॉ.आर पी सिंह जिला संगठन राष्ट्रीय सेवा योजना जिला कटनी,कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ माधुरी गर्ग, एनसीसी अधिकारी डॉक्टर सरदार दिवाकर ,अतुल कुमार आदि उपस्थित रहे।

विश्व दृष्टि दिवस पर दूसरों की जिंदगी रोशन करने शिक्षिका ने भरा नेत्रदान का वचन पत्र

कटनी, यशभारत। जनपद की प्रतिभाशाली शिक्षिका श्रीमती सपना मिश्रा, सहायक अध्यापक प्रा. विद्यालय सिमरा ने विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर स्वयं जिला चिकित्सालय पहुंच कर अपने नेत्र दान करने का वचन पत्र सिविल सर्जन को दिया। उन्होंने किसी के संसार में उजाला भरने के साथ - साथ समाज को भी प्रेरित किया है ।

जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में कटनी आर्ट्स एण्ड कॉमर्स कालेज टीम बनी विजेता

कटनी,यशभारत। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर 2022-23 के अंतर्गत जिला स्तरीय बैडमिंटन पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता माधव नगर बैडमिंटन हॉल में शासकीय महाविद्यालय विजयराघवगढ़ एवं शासकीय महाविद्यालय बड़वारा द्वारा आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में कटनी जिले के अन्य महाविद्यालयों की टीमों की सहभागिता रही। जिसमें कटनी आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज की पुरुष एवं महिला टीम ने भी भाग लिया । पुरुष वर्ग में कटनी आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज की टीम ने सेमी फाइनल में शासकीय महाविद्यालय विजयराघवगढ की टीम को एवं फाइनल में शासकीय तिलक महाविद्यालय की टीम को हराकर विजेता रही एवं महिला वर्ग में कटनी आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज की टीम ने सेमीफाइनल में शासकीय महाविद्यालय बड़वारा की टीम को एवं फाइनल में शासकीय कन्या महाविद्यालय की टीम को हराकर विजेता रही। टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं विजेता ट्रॉफी हासिल करने के लिए कटनी आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज के प्राचार्य डॉ जय चड्डा एवं कीड़ा प्रभारी मुकेश गुप्ता एवं महाविद्यालय के सभी ने छात्र-छात्राओं को बधाई दी।

नए मतदाता फार्म-6 या एनवीएसपी पोर्टल के माध्यम से जुड़वा सकते हैं नाम

कटनी,यशभारत। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल के निर्देशानुसार स्वीप गतिविधि के अंतर्गत 01 जनवरी 2023 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके ऐसे विद्यार्थियों को वोटर हेल्पलाइन एप एवं एन.वी.एस.पी. पोर्टल के माध्यम से निवार्चन नामावली में नाम जोड़ने हेतु फार्म-6 प्रस्तुत कर सकते हैं। इस हेतु शैक्षणिक संस्थाओं के प्राचार्यो को नामाकिंत किया जाकर विशेष कैम्प 20 अक्टूबर तक फार्म प्राप्त करने आयोजित किए जा रहें है। पात्र मतदाताओं से अपील की गई है, कि वे अपना नाम जुड़वा लें। ऐसे युवा मतदाता जिनकी आयु 1 जनवरी 2022 को 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, और निर्वाचन नामावली मे नाम दर्ज करवाने से वंचित रह गए है, वे अपने प्रभार क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारी को या कालेज में नियत विशेष कैम्पों में उपस्थित होकर 01 फोटो, निवास संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते है, या स्वयं अपने मोबाईल के माध्यम से वोटर हेल्पलाईन एप से भी ऑनलाइन नाम जुडवाने की कार्यवाही कर सकते है।

नाम जोड़ने कॉलेज में शिविरों का आयोजन

भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार 01 जनवरी 2022 की स्थिति में 18-19 वर्ष के मतदाताओं को विशेष चलाकर नाम जोड़े जा रहे हैं। इसके लिए कटनी जिले में 20 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाकर छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जा रहा हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक मिश्रा के निर्देश पर महाविद्यालय के पात्र छात्रों को मतदाता सूची मे नाम जोड़ने विशेष शिविर आयोजित करने तिथियां निर्धारित की गई है। इसके अनुसार शासकीय तिलक महाविद्यालय में 18 अक्टूबर को, शासकीय कन्या महाविद्यालय मे 14 एवं 19 अक्टूबर को, शासकीय महाविद्यालय बरही में 15 अक्टूबर एवं 17 अक्टूबर को, शासकीय महाविद्यालय स्लीमनाबाद मे 17 अक्टूबर को एवं कैमोर विज्ञान महाविद्यालय कैमोर और वर्धमान शिक्षा बी.एड. महाविद्यालय कटनी में 14 अक्टूबर को शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने कॉलेज और स्कूलों में भी लग रहे शिविर

कटनी,यशभारत। शासकीय राजीव गांधी महाविद्यालय रीठी और शासकीय मॉडल स्कूल रीठी में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके अधिक से अधिक युवाओं का मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बी.एल.ओ. ने छात्र छात्राओं को बताया कि भारत को कोई भी नागरिक जिसकी 1 जनवरी 2022 को उम्र 18 वर्ष या इससे अधिक हो ,मतदान करने के लिए अपना पंजीकरण करवा सकते है। क्योंकि लोकतांत्रिक और निर्वाचन प्रक्रियाओं में मतदाताओं की सहमति किसी भी लोकतंत्र के सफल संचालन के लिए अनिवार्य है।

बेहतर सफाई व्यवस्था के लिए शहर में रोजाना किए जा रहे प्रयास

कटनी,यशभारत। नगर की सफाई व्यवस्था को उच्च स्तरीय बनाये रखने हेतु रोजाना की जा रही सफाई व्यवस्था के तहत महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देश पर निगम प्रशासन द्वारा रोजाना दो पारियों में सफाई के साथ ही विभिन्न स्थलों के कचरे के प्वाइंटों की सफाई एवं डोर टू डोर कचरे का संग्रहण कार्य किया जाकर नगर को साफ एवं स्वच्छ रखने के प्रयास किये जा रहे है। प्रातः कालीन सफाई व्यवस्था के तहत गुरूवार प्रातः नगर के मुख्य स्थलों झंडा बाजार, गोल बाजार, विश्वकर्मा पार्क, स्टेशन रोड मुख्य मार्ग, बस स्टैंड परिसर, नई बस्ती, कावस जी वार्ड स्थित भट्टा मोहल्ला, बरगवां मुख्य मार्ग, वार्ड क्र 16 मुख्य मार्ग, वार्ड क्र.17 गौर मार्ग पार्षद गली, वार्ड क्र . 20 मेन रोड, वार्ड क्र 21 गायत्री नगर, झुरही स्थित जैन मंदिर परिसर, पहरूआ मुख्य मार्ग सहित सुलभ कॉम्प्लेक्स के पीछे, कटनी नदी पार मुख्य मार्ग, बस स्टैंड परिसर, आदर्श कॉलोनी, वार्ड क्र. 9 के विभिन्न स्थलों, मिशन चौक, सिटी कोतवाली, एम.जी.एम हास्पिटल के पास स्थित सामुदायिक भवन की सफाई एवं चूने की लाइनिंग, जयहिंद चौक से मुड़वारा स्टेशन मुख्य मार्ग सहित शिवाजी वार्ड के विभिन्न स्थलों, वार्ड क्र. 38 संजय नगर मे कीटनाशक दवा का छिड़काव किया गया। नगर के नाले नालियों की सफाई व्यवस्था के तहत वार्ड क्र. 3 स्थित कुठला बस्ती, इंडिया होटल के पीछे, पन्नी कॉलोनी, वार्ड क्र. 5 प्रजापति मोहल्ला, वार्ड क्र. 8 शेर चौक मुख्य मार्ग, वार्ड क्र. 9 कोमल चंद जैन गली, वार्ड क्र. 13 गणेश मंदिर के पीछे वार्ड क्र. 23 स्थित पंचम बाड, वार्ड क्र. 27 मदन मोहन चौबे वार्ड सहित नगर के अन्य स्थलों के नाले एवं नालियों की सफाई का कार्य कराया गया।

महाविद्यालय में जैविक खेती प्रशिक्षण का शुभारंभ

कटनी,यशभारत। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ स्वरोजगार एवं स्वावलंबी बनाने के लिए मप्र शासन द्वारा व्यवसायिक शिक्षा के अंतर्गत जैविक खेती का प्रशिक्षण शासकीय महाविद्यालय बरही में प्राचार्य डा आर के वर्मा द्वारा शुभारंभ किया गया।

उन्होंने विद्यार्थियों को ग्राम में स्वरोजगार स्थापित करने भूमि मानव स्वास्थ तथा पर्यावरण की सुरक्षा तथा रासायनिक खाद तथा कीटनाशक दवाइयों के उपयोग से उत्पादित अनाज दलहन तिलहन सब्जियों में इनके अवशेष पाए जाने के कारण मनुष्यों में विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए जैविक खेती अपनाने की सलाह दिया। जैविक कृषि विशेषज्ञ रामसुख दुबे ने 30 दिन में 60 घंटे के प्रशिक्षण के लिए सैद्धांतिक तथा प्रायोगिक विषय की विस्तार से जानकारी दिया। प्रशिक्षण में प्रशिक्षण समन्वयक डा एस एस धुर्वे एवं स्टाफ तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पाकिस्तान के खिलाफ महामुकाबले के लिए तैयार है टीम इंडिया

अंतिम समय में लिए गए फैसलों पर विश्वास नहीं करते:रोहित शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज 23 अक्टूबर को चिर-प्रतीद्विंदी पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। इस महामुकाबले के लिए दोनों टीमें जमकर मेहनतक कर रही है। बाबर आजम की अगुवाई वाली पाकिस्तान की टीम हाल ही में न्यूजीलैंड में ट्राई सीरीज खेलकर आई है, वहीं भारतीय टीम ऑस्ट्रेलियाई कंडिशन में खुद को ढालने के लिए 6 अक्टूबर को ही भारत से रवाना हो गई थी।

टी20 वर्ल्ड कप 2022 का आगाज कल यानि 16 अक्टूबर से होना है, इस मेगा इवेंट से पहले सभी कप्तान प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए एकत्रित हुए इस दौरान रोहित शर्मा ने भारतीय प्लेइंग इलेवन को लेकर बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ हर कोई जानता है कि कौन खेलने जा रहा है। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि वह अंतिम समय में लिए गए फैसलों पर विश्वास नहीं करते।रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा 23 तारीख को हमारे मैच के लिए कहूं तो हम अच्छी तरह से तैयार होंगे। 15 साल बाद भारतीय टीम की नजरें रोहित शर्मा की अगुवाई में टी20 वर्ल्ड कप के सूखे को खत्म करने पर होगी। आखिरी बार टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप का खिताब 2007 में जीता था, उस दौरान रोहित शर्मा टीम का हिस्सा थे।अपने इस सफर के बारे में उन्होंने कहा 2007 के बाद से एक लंबा समय हो गया है। जब मुझे विश्व कप के लिए चुना गया था, तो मैं किसी उम्मीद के साथ नहीं गया था। मैं बस आनंद लेना चाहता था, वह मेरा पहला विश्व कप था। जब तक हमने वर्ल्ड कप नहीं जीता था तब तक मुझे कोई समझ नहीं थी। वहां से अब तक का सफर लंबा रहा है। खेल विकसित हुआ है, आप उस समय की तुलना में अब के खेल में अंतर देख सकते हैं।

टी20 क्रिकेट में हुए बदलावों के बारे में भारतीय कप्तान ने कहा उस समय 140-150 का स्कोर अच्छा माना जाता था। मगर अब टीमें 14-15 ओवर में वहां पहुंचने की कोशिश करती हैं। टीमें अब परिणाम की चिंता किए बिना जोखिम लेती हैं। हमारी टीम भी यही करने की कोशिश कर रही है। यह इस तरह का प्रारूप है जहां जोखिम है, लेकिन उच्च पुरस्कार भी हैं। हम इसे करने के लिए भी तैयार होंगे। 2007 से 2022 तक मेरी यही समझ है। बहुत सी चीजें बदल गई हैं।

2027 तक पाकिस्तान के साथ कोई सीरीज नहीं खेलेगा भारत, ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड से हर साल होंगे मुकाबले

भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने 2023 से 2027 तक के लिए अपना प्रोगाम जारी कर दिया है। आने वाले पांच वर्षों में भी भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाफ कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलेगी। बीसीसीआई ने राज्यों के क्रिकेट बोर्ड को भविष्य का जो प्रोगाम बताया है, उसमें पाकिस्तान का कॉलम खाली रखा गया है। हालांकि, आईसीसी टूर्नामेंट में दोनों टीमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी। अगले साल ही पाकिस्तान विश्व कप खेलने के लिए भारत आएगा। इसके बाद 2025 में भारत को भी चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए पाकिस्तान जाना होगा। भारतीय टीम आईसीसी या एसीसी टूर्नामेंट खेलने के अलावा 38 टेस्ट खेलेगी। इसमें 20 टेस्ट भारत में 18 विदेश में खेले जाएंगे। इन पांच सालों में भारत 42 वनडे मैच भी खेलेगा। इसमें से 21 मैच घर में और 21 मैच बाहर खेले जाएंगे। 2023-2027 के बीच भारत कुल 61 टी20 मैच खेलेगा। 31 टी20 घर में और 30 बाहर खेले जाएंगे।

द्विपक्षीय सीरीज के मैच कम पर आईपीएल और आईसीसी टूर्नामेंट का दबाव

द्विपक्षीय सीरीज में भारत के मैचों की संख्या पिछले पांच साल की तुलना में कम हुई है। 2018-2022 के बीच भारत ने द्विपक्षीय सीरीज में 163 मैच खेले थे। वहीं, आने वाले पांच साल में भारत द्विपक्षीय सीरीज में 141 मैच ही खेलेगा। 22 मैच कम होने से खिलाड़ियों पर वर्कलोड का दबाव थोड़ा कम होगा। हालांकि, हर साल आईसीसी का कम से कम एक टूर्नामेंट है। इस वजह से भी द्विपक्षीय सीरीज के मैच कम रखे गए हैं। इसके अलावा आईपीएल के लिए भी हर साल 75-80 दिन का समय रखा गया है। खिलाड़ियों को इस लीग में भी खेलना होगा।

जीव मिल्खा ने 2014 में बेची थी कार

अब 63 चालान आए तो खटखटाया कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, ईएमएस। दिवंगत भारतीय धावक मिल्खा सिंह के बेटे और अंतरराष्ट्रीय गोल्फर चिरंजीव मिल्खा (जीव मिल्खा सिंह) को चेतावनी मिली थी कि उन्हें 2014 में बेची गई अपनी कार के लिए 63 चालानों का भुगतान करना होगा। जीव मिल्खा ने अभ एक स्थानीय अदालत में उस शख्स के खिलाफ मुकदमा दायर किया है, जिसने उनकी मर्सिडीज बेंज को 2014 में खरीदा था। अब 17 अक्टूबर को अदालत इस संबंध में एक निर्णय जारी कर सकती है। मिल्खा सिंह की शिकायत पर चालान संबंधी मामले में दिल्ली की एक कंपनी के एक निदेशक के खिलाफ धोखाधड़ी, छल और आपराधिक साजिश रचने के मामले में पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की। न्यूज एजेंसी आईएएनएस के अनुसार, यह कार 2014 में रैली मोटर्स के कार डीलर तेजिंदर सिंह के माध्यम से वाइब्स हेल्थकेयर लिमिटेड, हौज खास के निदेशक नितिन जैन को 35 लाख रुपये में बेची गई थी। भारतीय गोल्फर के वकील तर्मिंदर सिंह के अनुसार, मर्सिडीज की बिक्री और खरीद के लिए सभी आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर ली गई थी और जीव मिल्खा को नितिन जैन का एक एफीडेविट भी दिया गया था। हालांकि, वाहन खरीदने के बावजूद नए मालिक के नाम वाहन का पंजीकरण नहीं हो सका था, क्योंकि डीजल वाहन के 10 साल से ज्यादा पुराने होने की स्थिति में उसकी आरसी ट्रांसफर नहीं हो सकी थी। यही कारण था कि जीव मिल्खा सिंह को चालान नोटिस मिलते रहे। रिपोर्ट्स की मानें तो 2015 से चालान की रकम अब तक कुल 83,000 रुपये हो चुकी है। अदालत ने आवेदक की शिकायत के जवाब में भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 406 और 120 बी के तहत प्राथमिकी दर्ज करने के संबंध में अपने फैसले सुरक्षित रख लिए हैं। इस मामले में अगली सुनवाई 17 अक्टूबर को होगी और उसी दिन इस पर फैसला आ सकता है।

कपिल शर्मा ने करवाया नया फोटोशूट, बादशाह और बाकी सेलेब्स ने दिया ये रिएक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमेडी किंग कपिल शर्मा ने अपने हाल ही में करवाए गए फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में कपिल डैशिंग और कूल लुक में कहर ढाते नजर आ रहे हैं। कपिल के इस फोटोशूट पर उनके कई सेलेब्स फ्रेंड्स ने रिस्पॉन्स भी दिया है। बता दें कपिल शर्मा पहले ही अपने ट्रांसफोर्मेशन अवतार से अपने चाहने वालों को हैरान कर चुके हैं। कपिल के इस हैंडसम मैन वाले लुक पर ना सिर्फ उनके फैंस फिदा हैं बल्कि इंडस्ट्री के कई दिग्गज भी कपिल के इस फोटोशूट को लेकर कमेंट कर रहे हैं। फेमस सिंगर और रैपर बादशाह ने लिखा, 'पाजी आग ही लगा रखी है कसम से।' सिंगर कनिका कपूर ने कपिल के लिए आग वाली इमोजी पोस्ट की है। इसके अलावा क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके पूर्व क्रिकेटर हरभजन मान ने लिखा, 'हैंडसम ब्रो'। कॉमेडियन, एक्टर कृष्णा अभिषेक ने लिखा, 'वाह क्या बात है।' कपिल ने अपनी इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, चार तस्वीरें, सॉरी कोई कैप्शन नहीं मिला। कपिल शर्मा जब से अपने स्लिम लुक को लेकर वापस टीवी पर लौटे हैं तभी से आए दिन वह अपने लेटेस्ट लुक की तस्वीरें फैन्स के साथ शेयर करते रहते हैं। उनके इस लेटेस्टेट आउटडोर शूट में वह कॉमेडी किंग से ज्यादा किसी फिल्म के हीरो ज्यादा नजर आ रहे हैं। कपिल को ब्लैक लेदर जैकेट के साथ डेनिम में कई पोज क्लिक करवाते हुए देखा जा सकता है। कपिल ने इस गेटअप के साथ ब्लैक सनग्लासिस पहन रखे हैं।

उर्फी जावेद की जिस ड्रेस ने लूट लिया था पार्टी का मजमा, उसे बनाने में फूट गई थीं डिजाइनर की आंखें

नई दिल्ली, ईएमएस। कुछ तो लोग कहेंगे... लोगों का काम है कहना... छोड़ो बेकार की बातें, कहीं बीत न जाए रैना। शायद ये लाइन्स उर्फि जावेद इसे अक्सर गुनगुनाती होंगी। क्योंकि लाखों लोगों की नफरत झेलने के बावजूद वह उनकी बातों से अफेक्ट नहीं होती हैं। एक्ट्रेस खुद में मस्त मगन रहती हैं। खुश रहती हैं। अपने क्रिएटव और इनोवेटिव आइडियाज से बनी ड्रेस से सोशल मीडिया पर गदर काटती रहती हैं। रणवीर सिंह और मसाबा जैसी हस्तियों तक ने उनके डिजाइनर ड्रेस की तारीफ कर दी है। प्री बर्थडे सेलिब्रेशन में भी उन्होंने कमाल का आउटफिट पहन रखा था। लेकिन क्या आपको पता है कि उसको बनाया कैसे गया? आइए वीडियो दिखाते हैं। उर्फी जावेद ने जरूरत की चीजों से लेकर ऊट-पटांग सामानों तक का इस्तेमाल करके अपनी ड्रेस बनाई है। फिर चाहे वह जूट का बोरा हो, बिजली का तार हो, ब्लेड हो, रस्सी हो, कॉटन कैंडी हो, समुद्री सीप हो, शंख हो। न जाने क्या-क्या। सभी को घंटो तैयार किया है गीता जायसवाल ने। उनके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं, जिसमें वह उर्फी जावेद की आउटफिट की स्टिचिंग करती हुई दिखाई दे रही हैं। भले आइडिया एक्ट्रेस का हो लेकिन उसे बनाकर देने का काम गीता जायसवाल का होता है। घड़ी और सिम कार्ड्स से बनी ड्रेस बनाने के बाद उन्होंने उर्फी जावेद के लिए प्री-बर्थडे की भी ड्रेस सिली थी। हालांकि इसे बनाने में उनकीं आंखो की बुरी बैंड बज गई थी। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि गीता जायसवाल के पास मोतियों का अम्बार लगा हुआ है। बाद में वह उसको पिरोती हैं। पैर में धागा फंसाकर वह एक-एक करते उसमें वह मोतियां डाल रही हैं और आउटफिट तैयार कर रही हैं। बाद में जब सारी लड़ियां तैयार हो जाती हैं। फिर वह उसे डमी पर सेट करती हुई दिखाई देती हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि जो उर्फी के दोनों कंधों पर और उनकी कमर से लेकर पांव तक लटक रहा था, वह यही मोती था। आप सोचिए कि किनती मोतियां लगी होंगी जिसकी गिनती कर पाना मुश्किल है। खैर, आज 15 अक्टूबर को उनका जन्मदिन है। इस मौके पर भी वह कुछ खास पहनने वाली हैं। एक वीडियो आया जरूर है, जिसमें वह रूई यानी सफेद कॉटन से बनी टू-पीस ड्रेस पहन रही हैं और गीता उसमें जगह-जगह कॉटन लगा रही हैं। खैर, ये तो शाम तक ही क्लियर हो पाएगा कि बर्थडे गर्ल आज क्या पहनने वाली हैं।

फ्लॉप फिल्मों के सवाल पर बोले सिद्धार्थ, मैंने इनके निर्देशकों की क्षमता पर भरोसा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा हिंदी सिनेमा में कामबायी के 10 साल पूरे कर रहे हैं। इन दिनों वह ओटीटी पर रोहित शेट्टी के साथ 'इंडियन पुलिस फोर्स' नाम की वेब सीरीज कर रहे हैं। अपने मेंटॉर करण जौहर की कंपनी धर्मा प्रोडक्शंस के लिए फिल्म 'योद्धा' की शूटिंग जारी है और रश्मिका मंदाना के साथ बनी उनकी फिल्म 'मिशन मजनू' रिलीज की कतार में हैं। दिवाली पर वह निर्देशक इंद्र कुमार की फिल्म 'थैंक गॉड' में अभिनेता अजय देवगन के साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर सिद्धार्थ मल्होत्रा से 'अमर उजाला' के सलाहकार संपादक पंकज शुक्ल की ये खास मुलाकात हुई। आइए शुरू करते हैं सवालों और जवाबों का सिलसिला... मैं तो बहुत करता हूं। जो भी मिला हमको जीवन में, उसके लिए हमें हमेशा शुक्रगुजार होना चाहिए। मेरे लिए तो ये दो शब्द 'थैंक गॉड' बहुत ही खास हैं। जो मेरी अब तक की यात्रा रही है और जो सपने लेकर मैं दिल्ली से आया था और जिन्हें मैं आज जी रहा हूं, उन सबके लिए मैं ईश्वर को धन्यवाद देता हूं। जीवन तो खैर उतार चढ़ाव भरा रहेगा ही, यही जीवन भी है लेकिन जहां से मैंने शुरुआत की थी, उससे बेहतर स्थिति में हूं, उसके लिए दिल से 'थैंक गॉड' हर दिन निकलता है। जी बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। इसी महीने मेरी पहली फिल्म रिलीज हुई थी। ये 10 साल का जो सफर रहा है, उसमें वाकई ईश्वर की बहुत कृपा रही। मेरी पिछली फिल्म 'शेरशाह' को लोगों ने इतना प्यार दिया। अब ये फिल्म 'थैंक गॉड' रिलीज होने जा रही है। अगले 10 साल में मुझे बहुत कुछ करना है। एक दौर था जब कलाकार एक दिन में दो-दो, तीन-तीन शिफ्ट में काम किया करते थे। सिनेमाघरों में एक ही समय में एक कलाकार की कई कई फिल्में लगी रहती थीं। अब हम हर फिल्म के लिए एक नया रूप धरते हैं, एक बार में एक ही फिल्म कर पाते हैं। फिर भी मैं कोशिश करूंगा कि अगले 10 साल में खूब सारा काम करूं और खूब अच्छा काम करूं।

गधे की तरह क्यों हंसते हैं रणबीर कपूर?

अनुष्का शर्मा और कपिल शर्मा के सामने एक्टर ने खुद खोला था ये राज

मुंबई, एजेंसी। अभिनेता रणबीर कपूर बीते कुछ दिनों से लगातार खबरों में बने हुए हैं। एक ओर जहां उनकी फिल्म ब्रह्मास्त्र ने धमाका किया तो दूसरी ओर आलिया भट्ट की प्रेग्नेंसी को लेकर भी कपल चर्चा में है। रणबीर कपूर और आलिया के फोटोज वीडियोज सोशल मीडिया पर अक्सर वायरल होते हैं। इस बीच अभिनेता का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जहां वो अपनी हंसी को गधे जैसी बता रहे हैं। वीडियो में रणबीर के साथ अनुष्का शर्मा और कपिल शर्मा भी नजर आ रहे हैं।

क्यों नहीं हंसते हैं रणबीर कपूर

दरअसल सोशल मीडिया पर कपिल शर्मा शो का एक पुराना क्लिप वायरल हो रहा है। जिस में रणबीर बता रहे हैं कि वो हंसते क्यों नहीं हैं। वीडियो में रणबीर के साथ अनुष्का शर्मा और कपिल शर्मा नजर आ रहे हैं।

रणबीर- मैं हंसता नहीं हूं, मैं हंस नहीं सकता हूं फिल्मों में...

रणबीर-इसके पीछे की वजह बताता हूं, मेरी हंसी में कोई आवाज नहीं है और फिल्म के लिए हंसी के साथ आवाज जरूरी है। तो मुझे एक आवाज डालना जरूरी है। तो जब मैं आवाज डालता हूं तो एक गधे की आवाज आती है।

ऐ दिल है मुश्किल में आए थे नजर- बता दें कि इस क्लिप में दिख रहा है कि रणबीर की हंसी सुनकर नवजोत सिंह सिद्धू से लेकर अनुष्का शर्मा, कपिल शर्मा सहित ऑडियंस की हंसी नहीं रुकती है। याद दिला दें कि रणबीर कपूर और अनुष्का शर्मा ने फिल्म ऐ दिल है मुश्किल में काम किया था। फिल्म के साथ ही साथ इसके गाने भी दर्शकों को काफी पसंद आए थे। फिल्म में शाहरुख खान का कैमियो था, जबकि ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ रणबीर रोमांस करते दिखे थे।

रणबीर का बचपन और सिनेमाई करियर- रणबीर कपूर का जन्म 28 सितंबर 1982 को ऋषि कपूर और नीतू के घर हुआ था। रणबीर कपूर ने साल 2007 में संजय लीला भंसाली की फिल्म सांवरिया से डेब्यू किया था, लेकिन बतौर एक्टर पारी शुरू करने से पहले रणबीर कपूर ने संजय को फिल्म ब्लैक में असिस्ट किया था। रणबीर ने अपने करियर में कई फिल्मों में काम किया है और अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता है। रणबीर के खाते में राजनीति, रॉकस्टार, बर्फी, ये जवानी है दीवानी, ऐ दिल है मुश्किल, तमाशा और ब्रह्मास्त्र जैसी हिट फिल्में शुमार हैं।

रणबीर कपूर के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स- गौरतलब है कि रणबीर कपूर, ब्रह्मास्त्र से पहले शमशेरा में नजर आए थे। रणबीर के खाते में श्रद्धा कपूर के साथ एक फिल्म शामिल है, जिसका निर्देशन लव रंजन ने किया है। फिल्म का नाम अभी तक फाइनल नहीं हुआ है। वहीं फिल्म एनिमल में भी रणबीर कपूर अपना जलवा बिखेरते दिखेंगे। रणबीर कपूर के साथ एनिमल में अनिल कपूर, बॉबी देओल और रश्मिका मंदाना नजर आएंगे। कुछ वक्त पहले रणबीर के रश्मिका संग कुछ फोटोज भी वायरल हुए थे।

राज कुंद्रा ने इस बार करवाचौथ की चलनी से छिपाया मुंह, हो गए भयंकर ट्रोल

मुंबई, ईएमएस। बीते दिन करवा चौथ की धूम देश में देखने को मिली थी। आम लोगों के साथ ही साथ सेलेब्स ने भी इस दिन को खास अंदाज में मनाया। इस खास त्योहार पर अभिनेता अनिल कपूर के घर पर आयोजन रखा गया, जहां कई एक्ट्रेसेस-एक्टर्स ने शिरकत की और वहीं पर व्रत पूरा किया। ऐसे में शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा भी अनिल कपूर के घर पहुंचे। अनिल के घर पहुंचे राज कुंद्रा ने चलनी से अपना मुंह छिपाया था, जिसकी वजह से उन्हें ट्रोल किया गया। वहीं ट्रोल्स ने शिल्पा शेट्टी को भी नहीं छोड़ा।

ट्रोल हुए राज कुंद्रा

करवा चौथ के खास मौके पर अनिल कपूर के घर पर आयोजन हुआ, जहां शिल्पा और राज कुंद्रा भी पहुंचे। पैपराजी के सामने आते ही राज ने अपना मुंह चलनी से ढक लिया, जिस पर SSK (शिल्पा शेट्टी कुंद्रा) लिखा था। इसकी वजह से उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। एक ट्रोल ने लिखा- च्ऐसा काम ही क्यों करते हो, जो चेहरा छिपाना पड़े।ज्एक दूसरे ट्रोल न लिखा, च्हद है इसकी नौटंकी की।ज्एक और ने लिखा- चशिल्पा शेट्टी की रस्म ये क्यों कर रहा है।

होने वाली है साल की सबसे बड़ी टक्कर, भारत-पाकिस्तान मैच के दिन भिड़ेंगे सलमान-शाहरुख

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान और भाईजान सलमान खान के बीच क्लैश होने वाला है। दोनों की फिल्में- पठानज और किसी का भाई किसी की जान एक दूसरे से टकराने वाली हैं। वैसे यह भिड़ंत बॉक्स ऑफिस पर नहीं बल्कि आईसीसी टी-20 वर्ल्डकप के दौरान होने वाली है। दरअसल, जिस दिन क्रिकेट के मैदान पर भारत बनाम पाकिस्तान का युद्ध होगा उसी दिन बॉलीवुड के दोनों खान के बीच टक्कर होगी।

मसलन, भारत-पाकिस्तान के मैच वाले दिन ही दोनों की आगामी फिल्म का टीजर जारी होगा। बता दें कि शाहरुख खान की फिल्म च्पठानज में सलमान खान और सलमान की फिल्म चकिसी का भाई किसी की जानज्में शाहरुख कैमियो करने

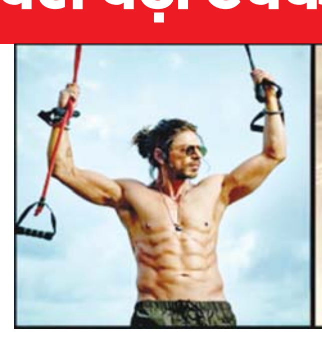

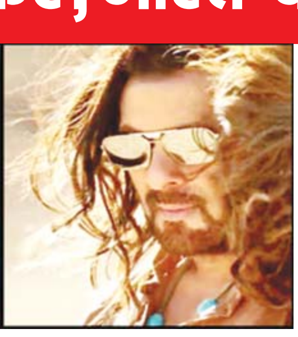

वाले हैं। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी रही यह फिल्म 25 जनवरी, 2023 को हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में रिलीज होने वाली। आपको बता दें कि इस फिल्म सलमान खान कैमियो करते नजर आएंगे।

एक महीने बाद बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाएंगे सलमान खान

वहीं, सलमान खान साल 2022 की अंत में धमाल मचाते नजर आएंगे। जी हां, उनकी फिल्म किसी का भाई किसी की जान 30 दिसंबर, 2022 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म में पहली बार उनके साथ पूजा हेगड़े दिखाई देंगी। फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वेंकटेश दग्गुबाती, राम चरण, जस्सी गिल, शहनाज गिल, सिद्धार्थ निगम, पलक तिवारी, राघव जुयाल नजर आएंगे।

दोनों खान की अपकमिंग फिल्म

वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान, कटरीना कैफ के साथ च्टाइगर 3ज में दिखाई देने वाले हैं। वहीं, शाहरुख खान, नयनतारा के साथ एटली की च्जवानज और तापसी पन्नू के साथ राजकुमार हिरानी की च्डंकीज्में नजर आएंगी।

माधवनगर क्षेत्र की शराब दुकान बिलहरी मोड़ पर हो रही संचालित

बिना अनुमति व लाइसेंस फीस जमा किए बगैर संचालित हो रहे अहाते

कटनी, यशभारत। अवैध शराब के कारोबार को पूरी तरह से खत्म करने संबंधी दिए गए मु यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशों के विपरीत जिला अब शराब के अवैध कारोबार का गढ़ बनता जा रहा है। शराब ठेकेदारों व आबकारी की सांठगांठ से बड़ी मनमानी चल रही है।

मुख्यमंत्री व प्रमुख सचिव तक पहुंची शिकायत

जानकारी के अनुसार कटनी कैंप बी में कटनी नगर निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत कटनी कैंप के संपूर्ण क्षेत्र में कहीं पर भी शराब दुकान खोली जानी थी लेकिन यह दुकान झिंझरी में खोली गई है। बिलहरी मोड़ के समीप ठेकेदार द्वारा आबकारी विभाग के अधिकारियों से सांठगांठ कर संचालन किया जा रहा है। यह दुकान यहां पर एक अप्रैल 2022 से संचालित हो रही है। इसकी शिकायत मु यमंत्री से लेकर प्रमुख सचिव से की गई है। बिलहरी मोड़ स्थित कैंप की शराब दुकान न सिर्फ नियम विरुद्ध तरीके से संचालित हो रही है बल्कि इसमें अवैध तरीके से अहाते का भी संचालन किया जा रहा है। यहां पर दुकान के ऊपर प्रथम तल में बकायदा सुरा प्रेमियों को बैठाकर शराब परोसी जा रही है। इस संबंध में कई बार लोगों ने आबकारी विभाग के अधिकारियों से शिकायत की लेकिन अधिकारी कार्रवाई की हि मत नहीं जुटा पा रहे हैं।

लाखों के राजस्व की पहुंचाई जा रही क्षति

मुख्यमंत्री से की गई शिकायत में बताया गया है कि कटनी कैंप बी एक करोड़ 78 लाख 44 हजार 686 रुपए लाइसेंसी फीस है। अहाता 21 लाख 56 हजार 894 रुपए के राजस्व की क्षति पहुंचाई जा रही है। कम्पोजिट शराब दुकान एनकेजे जिसकी 3 करोड़ 65 लाख 17 हजार 838 रुपए लाइसेंसी फीस है, जिसकी अहाता 73 लाख 357 के राजस्व की हानि पहुंचाई जा रही है। इसके अलावा क पोजिट दुकान झर्राटिकुरिया बी की 3 करोड़ 51 लाख 11 हजार 112 रुपए फीस है, जिसकी शॉपबॉर फीस 6 लाख 31 हजार 22 रुपए लाइसेंसी फीस नहीं जमा की गई।

इनका कहना है

दुकान खुलने का प्रकरण मेरे समय का नहीं है, मैं कुछ माह पहले ही आया हूं। शहर में अवैध तरीके से अहाता संचालित होने की जानकारी नहीं हैं। लाइसेंस फीस जमा न करने के मामले का भी पता लगाया जाएगा। इन सभी मामलों को दिखवाते हैं।

– **आर.के.बघेल,** जिला आबकारी अधिकारी

शराब दुकान के पास मंगौड़ी बेचने के विवाद पर चले चाकू

आधा दर्जन घायल, एक गंभीर, एनकेजे बजरिया में वारदात

कटनी, यशभारत। एनकेजे थाना अंतर्गत बजरिया में शराब दुकान के समीप मंगौड़ी बेचने को लेकर शुक्रवार दोपहर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। मारपीट में लाठी-डंडे और राड चले। इसी बीच किसी ने चाकू से वार भी कर दिया। घटना में छह लोगों को चोटें आई हैं, जिन्हें उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एनकेजे थाना प्रभारी सिद्धार्थ राय ने बताया कि बजरिया क्षेत्र में तेजभान कुशवाहा, मुन्ना लाल कुशवाहा, मोनू कुशवाहा का मनोज उर्फ लाला श्रीवास्तव और उनके अन्य साथी से विवाद हो गया। विवाद के दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे और राड चले। एक युवक ने तेजभान कुशवाहा पर चाकू से हमला कर दिया है। इसके कारण तेजभान की हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों पक्ष बजरिया में मंगौड़ी बेचते हैं। मंगौड़ी बेचने की बात को लेकर ही दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ है। मामले की जांच की जा रही है।

शराब के लिए पैसे न देने पर धारदार हथियार से हमला

ऊधर एनकेजे थाना अंतर्गत छपरवाह-मंगलनगर पुलिया के पास शराब के लिए पैसे न देने पर एक युवक पर मारपीट व धारदार हथियार से हमला किए जाने की घटना प्रकाश में आई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आयुध निर्माणी क्षेत्र निवासी 24 वर्षीय ऋषिकेश पिता जयकुमार भगत का रास्ता रोककर केतू, नमन बघेल व साहिल नामक युवकों ने शराब के लिए पैसों की मांग की। ऋषिकेश के पैसे देने से मना करने पर तीनों युवकों ने उसके साथ मारपीट करते हुए धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने जयकुमार पिता सुदर्शन की शिकायत पर आरोपी युवकों के विरूद्ध धारा 294, 323, 506, 324, 341, 327, 34 तथा एससीएसटी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

अपराधियों को सजा दिलाने के ग्राफ में करें 10 फीसदी की बढ़ोत्तरी

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अभियोजन ने कंट्रोल रूम में बैठक लेकर दिए दिशा निर्देश

कटनी, यशभारत। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अभियोजन अनवेश मंगलम गतदिवस कटनी पहुंचे। पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार जैन की मौजूदगी में डीपीओ, एडीपीओ सहित पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अभियोजक कार्यकुशलता एवं चातुर्यता का परिचय देते हुए प्रकरणों में पैरवी करें एवं पीड़ितों को न्याय दिलाएं। हमेशा पीड़ितों के संरक्षक बनकर काम करें। एडीजी ने कहा कि 60 प्रतिशत मामलों में तो सजाएं पड़ रही हैं लेकिन प्रयास करेंगे तो 10 प्रतिशत और बढ़ोत्तरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि सभी चुनौतियों से लड़ते हुए उपयुक्त तर्क रखें, हमेशा सजग रहकर काम करें। महिला संबंधी अपराध, बच्चों के साथ घटित होने वाले मामले, साइबर क्राइम में विशेष ध्यान दें। अभियोजक पीड़ित की बातों को सुनें। इस दौरान एसपी सुनील कुमार जैन ने कहा कि शॉलेड मामलों में अपराधी दोषमुक्त हो जाते हैं, यह सही नहीं है, जरूरत है कि हम अपने पक्ष को पूरी मजबूती से रखें ताकि अपराधी को सजा पड़े। एसपी ने बताया कि एडीजी की पहल पर प्रदेश में डॉयल-100 सेवा शुरू हुई और यह प्रयोग कई प्रदेशों ने अपनाया।

ग्रुप डिस्कशन से समस्या हल करने की नसीहत

एडीजी अनवेश मंगलम ने कहा कि ग्रुप डिस्कशन से समस्याओं का हल निकालें। पुलिस के साथ तालमेल बनाकर रखें। ट्रॉयल प्लान में पुलिस की मदद लें। कानूनी बारीकियों पर ध्यान दें। केस डायरी का आखिरी पन्ना ऐसा होना चाहिए मानों खुद ही जजमेंट सुना रहे हों, निष्कर्ष एकदम सटीक हो, ताकि केस में उलझनें न आएं। ब्लाइंड मर्डर, लूट, डकैती सहित अन्य केसों में साक्ष्य संकलन के संबंध में बेहतर तैयारी रखें ताकि अपराधी को कड़ी से कड़ी सजा मिले। गवाहों को भी अनावश्यक परेशान न होना पड़े, पीड़ितों से कोर्ट में औचित्यहीन सवाल न पूछे जाएं, इस पर ध्यान रखें, समय-समय पर ट्रेनिंग मॉड्यूल बनाकर काम करें।

डीपीओ ने कराया समस्याओं से अवगत

बैठक के दौरान डीपीओ हनुमंत किशोर शर्मा ने स्टॉफ की कमी से अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने कहा कि एडीपीओ की सं या कम है। 19 स्वीकृत पद हैं, जिनमें से 13 ही मिले हैं। हेड क्वार्टर में सिर्फ 7 ही कार्यरत हैं, शेष बरही, विगढ़ व ढीमरखेड़ा की कोर्ट में हैं। इसके अलावा लिपिकीय स्टॉफ सहित फोटोकॉपी मशीन की मांग रखी। जिस पर एडीजी ने कहा कि 2023 तक भर्ती होने की संभावना है। सरकार भी एक लाख पदों पर भर्ती करने वाली है, जिससे यहां पर भी समस्या हल होगी। एडीजी ने कहा कि 700 नए पद अभियोजन के भरे जाने हैं, इसके लिए पहल हो रही है। इसके अलावा उन्होंने आगामी दिनों में लैपटॉप, डैस्कटॉप की होने की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार जैन ने फोटोकॉपी मशीन की व्यवस्था कराने की बात कही। इस दौरान सीएसपी विजय प्रताप सिंह, एसडीओपी मोनिका तिवारी, रामशरण महोबिया, विमला गर्ग सहित एडीपीओ की उपस्थिति रही।

ढाबे के कमरे से 25 बोरी खाद चोरी

कटनी, यशभारत। स्लीमनाबाद थाना अंतर्गत ग्राम भेड़ा में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 के किनारे स्थित एक ढाबे के कमरे से 33 हजार रूपए कीमती डीएपी खाद चोरी जाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ढाबा के एक कमरे में डीएपी खाद की बोरियां रखी थी। बीतीरात अज्ञात चोरों ने ढाबा में धावा बोला और कमरे के अंदर से 25 बोरी डीएपी खाद लेकर चंपत हो गए। चोरी गई खाद की कीमत 33 हजार 750 रूपए बताई जा रही है। पुलिस ने ग्राम भेड़ा निवासी ब्रजभूषण सिंह की शिकायत पर अज्ञात चोरों के विरूद्ध धारा 457, 380 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

आवश्यकता है

अमूल दूध के वितरण हेतु मेहनती युवकों की आवश्यकता है।

समय:- सुबह 5 बजे से दोपहर 1 बजे तक के लिए, वेतन योग्यतानुसार।

संपर्क -अक्षत डेयरी मो. 9425628768

लकवा एवं वात रोग विशेषज्ञ

डॉ. देबनाथ

लकवा, वात रोग, गठिया, हड्डियों जोड़ों का दर्द एवं सूजन कमर दर्द, घुटना, कंधा दर्द, सायटिका अर्थराइटिस का इलाज किया जाता है।

पता- शहीद द्वार नई बस्ती, कटनी
मो. 9826154533
नोट-28 वर्षों से आपकी सेवा में उपस्थित।

बिना परमिट मिली बस को किया जप्त

कटनी, यशभारत। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रमा दुबे व बस स्टैंड चौकी प्रभारी प्रियंका सिंह राजपूत ने शुक्रवार को बस स्टैंड में खड़ी हुई बसों के दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान बस स्टैंड में काफी लंबे समय से खड़ी हुई ऐसी बस जो संचालन की स्थिति में नहीं है उनके बस मालिकों को बस स्टैंड से बसों को हटाने के लिए कहा गया है। बसों की जांच के दौरान एक बस बिना परमिट पाई गई जिसे जप्त किया गया। बस संचालकों को वाहन के वैध बीमा, फिटनेस, परमिट तथा कर बकाया ना होने पर ही वाहन को संचालित करने की समझाइश दी गई।

विलंब से चलने का रिकार्ड बना रही अमरकंटक एक्सप्रेस

10 घंटे की देरी से पहुंची कटनी, यात्री हुए परेशान

कटनी, यशभारत। कटनी-बिलासपुर रेलखंड की प्रमुख ट्रेन अमरकंटक एक्सप्रेस की लेटलतीफी थमने का नाम नहीं ले रही है। त्यौहार के इस सीजन में ट्रेन विलंब से चलने के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शुक्रवार को गाड़ी सं या 12853 अमरकंटक एक्सप्रेस 10 घंटे देरी से चलकर दोपहर 12 बजे कटनी साउथ स्टेशन पहुंची जबकि इस ट्रेन के स्टेशन पहुंचने का समय रात 3 बजे है। दस घंटे देरी से चल रही ट्रेन के कारण कई यात्रियों को अपनी यात्रा ही स्टेशन से निरस्त करनी पड़ी।

पर्व के नजदीक आते ही ट्रेनों में बढ़ी भीड़

दीपावली पर्व नजदीक आते ही ट्रेनों भीड़ अनियंत्रित होने लगी है। दीपावली भैया दूज और छठ पर्व से पहले लोगों के आने-जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। स्टेशन व बस स्टैंड में लोगों की भीड़ बढ़ गई है। लंबी दूरी की ट्रेनों में लंबी वेटिंग चल रही है वहीं ट्रेनों में भी भीड़ के कारण सफर करना मुश्किल हो रहा है। कटनी रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ आ रही है। हालांकि ट्रेनों में पहले से बुकिंग होने और देरी से संचालन की वजह से अधिकांश लोग बसों का ही प्रयोग कर अपने घरों को पहुंच रहे हैं।

+ सी.आर.एम. क्लीनिक +

इन्फिनिटी हार्ट इंस्टीट्यूट

जीवन को वर्षो से जोड़ना

दिनांक- 16/10/2022 रविवार को परामर्श उपलब्ध

समय: दोप. 1.00 बजे से सायं 3.00 बजे तक
स्थान: रुपलाल बिहारी सोनी मार्केट, पुरानी बस्ती, आजाद चौक, सम्राट गली के सामने, कटनी (म.प्र.)
फोन : 07622-2255824, 7024132323

For Appointment Please Call us : 8826395999

उपलब्ध सेवायें- *एंजियोग्राफी *एंजियोप्लास्टी *पेसमेकर *बायपास सर्जरी
उपलब्ध जॉचे- *ई.सी.जी. ईको *टी.एम.टी. *ब्लड टेस्ट

डॉ. अंकित अग्रवाल
एम.डी.,डी.एम. (कार्डियोलॉजी)

- एम.डी.(मेड) आई.एम.एस.बी.एच.यू.,वाराणसी
- डीएम कार्डियोलॉजी एसएसकेएम, आईपीजीएमई एवं आर कोलकता
- एडंवास कार्डिएक कैथेराइजेशन में फैलोशिप (माउंट सिनाई न्यूयॉर्क)
- पूर्व सलाहकार एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट
- 10000 से अधिक एंजियोग्राफी, 4000 एंजियोप्लास्टी और 6000 स्थायी पेसमेकर प्रत्यारोपण का अनुभव

*CGHS,CSMA, ECHS से मान्यता प्राप्त *विभिन्न लाईफ इंश्योरेंस बीमा कंपनी द्वारा मान्यता प्राप्त *राज्य शासन के कर्मचारियों के लिए मान्यता प्राप्त *प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना

डॉ.अभिषेक शर्मा एम.बी.बी.एस. डिप.कार्ड. (पी.जी.डी.सी.सी.) डॉ.एस.के.शर्मा एम.डी.मेडिसिन (वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञ)

प्लाट बेचना है

दुबे कालोनी, जागृति कालोनी एवं पीयूष स्कूल के पास में बहुत ही किफायती दामों में प्लाट बेचना है।

संपर्क धर्मेंद्र तिवारी मो. 9827340910

वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ

डॉ. अशोक चौदहा

एम.बी.बी.एस.डी.सी.एच.

क्लीनिक- राष्ट्रीय स्कूल के पास, घंटाघर रोड, कटनी समय-10.30 से 3 बजे तक

निवास- डन कॉलोनी बरगवां, कटनी
मरीज देखने का समय सुबह 9 बजे से 10 बजे तक
सायं 6.30 से रात्रि 8 बजे तक
मो. 9893723087, 8319994375

JOHNSON® Not just tiles, Lifestyles.

सभी प्रकार के ग्रेनाईट टाईल्स, इटेलियन मार्बल, सिन्क, कोटा, कड़प्पा पत्थर होलसेल रेट पर मिलने का एकमात्र स्थान

समर्थ मार्बल एण्ड ग्रेनाईट

पता- जॉकी शोरूम के पास में कटनी-जबलपुर रोड, बरगवां, मो. 9425153498, 7067666668

डॉ.दीपक सक्सेना

डॉ.शोभना सक्सेना

श्री SHRI HOSPITAL KATNI

विश्वसनीय आईसीयू केयर, जनरल दूरबीन एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन, फिजीशियन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ

सुपर स्पेशलिस्ट विशेषज्ञ द्वारा दांतों के सभी प्रकार के इलाज की सुविधा उपलब्ध है।

डॉ. शोभित प्यासी बी.डी.एस./एम.डी.एस. रूट कैनाल विशेषज्ञ

डॉ. उपासना स्थापक बी.डी.एस./एम.डी.एस. पाइरिया एवं इम्पलांट विशेषज्ञ

संपर्क करें: श्री हॉस्पिटल एम०एम० चौबे वार्ड बरगवां कटनी
9425325316, 9425151543, 9752414316

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा जनपक्ष प्रिंटिंग एवं पब्लिशिंग, गोपालबाग जबलपुर-2 से मुद्रित एवं कचहरी चौक कटनी से प्रकाशित। सम्पादक-श्याम कटारे एवं स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*। फोन (07622) 406666, 230033, जबलपुर कार्यालय फोन- (0761) 2643333, 2646666 फैक्स (0761) 4084085 डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/22-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)